मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 30 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 12 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 194 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ भाजपा, संकल्प और राष्ट्रवाद

सौम्या ने शुरू की घुड़सवारी की ट्रेनिंग 6

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : टाउन थाना क्षेत्र के टीओपी-2 अंतर्गत कांदू मोहल्ला के पास रेलवे ट्रैक से एक अज्ञात महिला का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह स्थानीय लोगों ने ट्रैक के किनारे शव देखा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही टीओपी-2 पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन

पुलिस के अनुसार शव की पहचान राधा देवी पतिरामजीशाह कांदू मुहल्ला की रहने वाली है साथ ही यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि मामला हादसे का है या फिर इसके पीछे कोई अन्य कारण है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। इधर, घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस ने कहा है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रेलर व अवैध बालू लदे हाईवा में सीधी टक्कर, बाल -बाल बचे चालक व उप चालक

रांची: अहले सुबह सिल्ली-बंता सड़क मार्ग पर लोवादाग पहाड़माझ के समीप तेज रफ्तार ट्रेलर और बालू लदे हाईवा में सीधी भिड़ंत हो गई। बताया जाता है कि इस भिड़ंत में दोनों वाहनों के चालक व उप चालक बाल- बाल बच गया। मिली जानकारी के मुताबिक ट्रेलर सिल्ली की ओर से टाटा की ओर जा रहा था, वही हाइवा झाबरी बालू घाट से ओवरलोड अवैध लाद कर रांची जा रहा था इस क्रम में दोनों में सीधी भिड़ंत हो गईं। ग्रामीणों का माने तो रातभर में ही डबल ट्रिप करने के चक्कर मे अवैध बालू लदे हाइवा से आये दिन इस तरह की दुर्घटना घटती ही रहती है। अवैध बालू लदे हाइवा के चपेट में आने से कई लोगों की जाने भी चली गईं है हाल के दिनों में अनियंत्रित होकर एक हाइवा बंता में एक व्यक्ति के घर घुस गया था। हाइवा मालिक गूंदलीपोखर निवासी राजू प्रमाणिक बताया जाता है हालांकि जितने भी गाड़ियां अवैध बालू ढुलाई में चलता है सबका स्टेशन रजिस्ट्रेशन नंबर ऊपर से मिटा दिया जाता है। सूत्रों का माने तो शासन प्रशासन और हर राजनीतिक पार्टी के सफेदपशों के संरक्षण से राढू नदी का झाबरी, हजाम, श्यामनगर, तेतला समेत कई अवैध बालू घाटों से रोजाना सैकड़ो गाड़ियां हाइवा, टिपर हाइवा, टर्बो और ट्रैक्टरों से अवैध बालू लादकर रांची गोला आदि जगहों में भेजी जा रही है।

देशभर के स्कूल, दफ्तर और कोर्ट में 1100 से अधिक फर्जी मेल भेजकर बम की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। दिल्ली पुलिस ने देश भर के स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को 1,100 से ज्यादा फर्जी कॉल कर बम से उड़ाने की धमकी देने वाले शख्स को कर्नाटक के मैसूर से गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस टीमों के बीच गुरुवार को एक समन्वित अभियान में संदिग्ध श्रीनिवास लुइस (47) को उसके किराए के घर से हिरासत में लिया गया था। हाल के हफ्तों में, दिल्ली उच्च न्यायालय , दिल्ली विधानसभा और कई शिक्षण संस्थाओं और सरकारी कार्यालयों सहित कई संस्थाओं को बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद तुरंत जांच शुरू की गई। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी लुइस मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला है और कथित तौर पर अपनी मां के साथ किराये के मकान में रहता है। वह एक सेवानिवृत सरकारी कर्मचारी हैं, और अभी बेरोजगार है। उन्होंने संकेत दिया कि शुरूआती जांच से पता चलता है कि वह मानसिक तनाव में हो सकता है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने शुरूआती पूछताछ के दौरान कथित तौर पर देश भर में 1,100 से ज्यादा धमकी भरे संदेश भेजने की बात कबूल की है। पुलिस ने पुष्टि की कि धमकियां ईमेल और दूसरे संचार चैनल से भेजी गई थीं, जिसके कारण अलग-अलग राज्यों में कई प्राथमिकी दर्ज की गईं। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर गहन जांच शुरू की थी। तकनीकी जांच और सुराग जोड़ते-जोड़ते पुलिस कर्नाटक तक पहुंची और वहां से लुइस को हिरासत में ले लिया तथा अब उसे दिल्ली लाया जा रहा है।

दिल्ली बॉर्डर से दबोचा गया लश्कर का खूंखार आतंकी शब्बीर अहमद हफीज सईद का है खास गुर्गा

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। राजधानी की सीमा (दिल्ली बॉर्डर) से लश्कर-ए-तैयबा के खतरनाक आतंकी शब्बीर अहमद लोन को गिरफ्तार किया गया है। शब्बीर बांग्लादेश में बैठकर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी क्रकके इशारे पर भारत के खिलाफ एक नया टेरर मॉड्यूल तैयार कर रहा था।

कैसे चढ़ा पुलिस के हत्थे? : सुरक्षा बलों को एक गुप्त सूचना मिली थी कि शब्बीर किसी बड़े मिशन को अंजाम देने के लिए दिल्ली की सीमा में प्रवेश करने वाला है। इस सूचना के आधार पर सुरक्षा एजेंसियों ने जाल बिछाया और राजधानी की सीमा पर उसे दबोच लिया। शुरूआती जांच में पता चला है कि वह सीमा पार से मिल रहे सीधे निदेर्शों के आधार पर भारत विरोधी गतिविधियों की योजना बना रहा था।

तिहाड़ जेल का पुराना 'मेहमान' है शब्बीर: शब्बीर अहमद लोन सुरक्षा एजेंसियों के लिए कोई अनजाना नाम नहीं है। उसका आपराधिक इतिहास काफी पुराना और डरावना है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उसे साल 2007 में एके-47 राइफल और हैंड ग्रेनेड जैसे भारी हथियारों के साथ पकड़ा था। उस वक्त भी उसके तार सीधे लश्कर प्रमुख हफीज सईद से जुड़े पाए गए थे। वह साल 2007 से 2018 तक दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद रहा। सजा पूरी होने के बाद वह बाहर निकला लेकिन सुधरने के बजाय फिर से आतंक की राह पर चल पड़ा।

बांग्लादेश बना था नया कंट्रोल रूमः जेल से बाहर आने के बाद शब्बीर ने भारत छोड़ दिया और बांग्लादेश को अपना नया ठिकाना बनाया। वहां बैठकर वह लश्कर के लिए नए लड़कों की भर्ती और भारत विरोधी पोस्टर लगाने जैसे ऑपरेशंस को हैंडल करने लगा। हाल ही में दिल्ली और दक्षिण भारत में जो भारत विरोधी पोस्टर देखे गए थे, उनके पीछे भी इसी मॉड्यूल का हाथ बताया जा रहा है।

आगे की जांचः जांच एजेंसियां अब शब्बीर से कड़ी पूछताछ कर रही हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि दिल्ली, कोलकाता और दक्षिण भारत में उसके कितने और साथी छिपे हुए हैं और उनके निशाने पर कौन-कौन से इलाके थे।

विशाखापत्तनमः शादीशुदा नेवी अफसर ने प्रेमिका की हत्या कर फ्रिज में छिपाया शव, गिरफ्तार

नई दिल्ली: आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां भारतीय नौसेना के एक कर्मचारी ने अपनी 28 वर्षीय प्रेमि की हत्या कर दी। इसके बाद उसने सबूत मिटाने के लिए महिला के शव के टुकड़े-टुकड़े कर कुछ हिस्सों को फ्रिज में छिपा दिया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने ऑनलाइन एक चाकू मंगाकर शव के टुकड़े किए, इसके बाद कुछ हिस्सों को फ्रिज में रख दिया और रविवार को अदाविवरम के पास एक खाली जगह पर सिर और हाथों को जला दिया।

2021 में डेटिंग एप के जरिए हुई थी दोस्ती: पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान सी.एच. रविंद्र के रूप में हुई है, जो क्टर डेगा पर तैनात है। वहीं, मृतका की पहचान मोनिका के रूप में हुई है। जिससे रविंद्र 2021 से संपर्क में था। दोनों की मुलाकात एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी।

पुलिस ने बताया कि समय के साथ दोनों के बीच संबंध गहरे हो गए थे और वे विशाखापत्तनम में अलग-अलग जगहों, जैसे पार्क और थिएटर में अक्सर मिलते थे।

आखिर किस बात को लेकर हुआ विवाद? : अधिकारी ने बताया कि आरोपी के अनुसार, महिला ने कथित तौर पर उससे 3.5 लाख रुपये लिए थे और उसे धमकी दी थी कि वह उनके रिश्ते के बारे में उसकी पत्नी को बता देगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला, सास-ससुर के गुजाराभत्ता की जिम्मेदारी बहू की नहीं

इलाहाबादः इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि बहू अपने सास-ससुर को गुजारा भत्ता देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं है, क्योंकि भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 144 में सास-ससुर को इस अधिकार के दायरे में शामिल नहीं किया गया है। अदालत ने कहा कि यह एक नैतिक दायित्व हो सकता है, लेकिन इसे कानूनी अनिवार्यता के तौर पर लागू नहीं किया जा सकता।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 144 के तहत एक बहू अपने सास-ससुर को गुजारा भत्ता देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह ने कहा कि गुजारा भत्ते के दावे का अधिकार एक सांविधिक अधिकार है जो इस धारा में उल्लिखित व्यक्तियों के वर्गों तक ही सीमित है और सास-ससुर इस प्रावधान के दायरे में नहीं आते। अदालत ने कहा कि हालांकि यह एक नैतिक दायित्व प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसे एक कानूनी अनिवार्यता की अनुपस्थिति में एक कानूनी दायित्व के तौर पर लागू नहीं किया जा सकता। बुजुर्ग दंपति राकेश कुमार और उनकी पत्नी द्वारा अपनी बहू के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने चार फरवरी को दिए निर्णय में कहा, विधायिका ने अपने विवेक से सास-ससुर को उक्त प्रावधान के दायरे में शामिल नहीं किया है।

बुजुर्ग दंपत्ति ने आगरा की परिवार अदालत के प्रधान न्यायाधीश द्वारा अगस्त, 2025 में पारित आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। निचली अदालत ने भी गुजारा भत्ता की मांग वाले उनके आवेदन को खारिज कर दिया था। बुजुर्ग दंपत्ति की दलील थी कि वे बूढ़े, अनपढ़, दरिद्र और पूरे जीवन अपने मृतक बेटे पर पूरी तरह से निर्भर थे। उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के पद पर तैनात उनकी बहू की पर्याप्त आय है और उसने उनके मृतक बेटे के सेवानिवृत्त के लाभ भी प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि बूढ़े सास-ससुर का भरण-पोषण करना उनकी बहू का नैतिक दायित्व है और इसे कानूनी दायित्व के तौर पर माना जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने इस आधार पर यह दलील खारिज कर दी कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे संकेत मिलता हो कि बहू की पुलिस में नौकरी अनुकंपा के आधार पर लगी है।

ट्रंप की बड़ी धमकी, ईरान के तेल क्षेत्र खर्ग आइलैंड पर कब्जा करेगा अमेरिका

नई दिल्ली: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी बल फारस की खाड़ी में स्थित ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्र खार्ग द्वीप को आसानी से अपने नियंत्रण में ले सकते हैं। ट्रंप ने समाचार पत्र फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में यह बात कही। ट्रंप ने कहा, हो सकता है कि हम खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लें, हो सकता है कि हम ऐसे न भी करें। हमारे पास कई विकल्प हैं। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह भी होगा कि हमें कुछ समय के लिए वहां (खार्ग द्वीप पर) रहना होगा।

वहां ईरान की रक्षा व्यवस्था के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनके पास कोई रक्षा व्यवस्था है। हम इसे बहुत आसानी से अपने कब्जे में ले सकते हैं। अमेरिका ने खार्ग द्वीप पर सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए थे। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिकी सेना उसकी धरती पर कदम रखती है तो वह खाड़ी के अरब देशों पर जमीनी आक्रमण करेगा और नए हमले करेगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान की संसद के अध्यक्ष ने फारस की खाड़ी के संकरे मुहाने होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों के गुजरने की अनुमति दे दी है।

साक्षात्कार में ट्रंप की यह बात इस बात का ताजा संकेत माना जा रहा है कि मोहम्मद बाकिर कलीबाफ ईरान की धार्मिक शासन

व्यवस्था के भीतर कितने अहम होते जा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के घटनाक्रम में कलीबाफ एक प्रभावशाली और निर्णायक चेहरे के रूप में उभरे हैं, जिससे उनकी भूमिका और महत्व और अधिक स्पष्ट हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने हमें पाकिस्तानी ध्वज वाले 10 टैंकर दिए थे। अब वे 20 दे रहे हैं और वे 20 पहले ही रवाना हो चुके हैं जो जलडमरूमध्य के ठीक बीच से गुजर रहे हैं। ट्रंप ने साक्षात्कार में कलीबाफ को लेकर कहा जहाजों को मुझे सौंपने की अनुमति उन्होंने ही दी थी। याद है मैंने कहा था कि वे मुझे एक तोहफा दे रहे हैं? और सबने पूछा था कि क्या तोहफा है?

ट्रंप ने कहा जब उन्हें इसके बारे में पता चला तो वे चुप रहे और बातचीत में काफी प्रगति हो रही है। ईरान के नेता कलीबाफ ने युद्ध के दौरान एक्स पर अपनी पोस्ट के जरिए आक्रामक तेवर दिखाए हैं। वह लगातार अमेरिका का मजाक उड़ाते रहे हैं और खुली धमकियां भी देते रहे हैं। हालांकि, रिवोल्यूशनरी गार्ड के पूर्व कमांडर कलीबाफ का राजनीतिक कद हाल के दिनों में बढ़ा है, खासकर तब जब ईरान की धार्मिक शासन व्यवस्था के कई वरिष्ठ नेता हमले में मारे गए हैं।

160 करोड़ गबन मामला

पंचकूला-पानीपत में कोटक महिंद्रा-एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के बाहर पुलिस तैनात, शाखाएं खोलने की अनुमति नहीं

पंचकूला : हरियाणा में कोटक महिंद्रा बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़े लगभग 160 करोड़ के कथित गबन मामले में सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। पंचकूला और पानीपत में बैंक शाखाओं के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई है। सोमवार सुबह बैंक कर्मचारियों को शाखाएं खोलने की अनुमति नहीं दी गई और स्टाफ बाहर ही खड़ा रहा।

बताया जा रहा है कि इस मामले की जांच कर रही एंटी करप्शन ब्यूरो को दोनों बैंकों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। मामला पंचकूला नगर निगम द्वारा कराए गए

फिक्स्ड डिपॉजिट से जुड़ा है। नगर निगम ने विभिन्न बैंकों में करीब 160 करोड़ की एफडी करवाई थी। इनमें से कुछ एफडी के मैच्योर होने पर उनके रिकॉर्ड में गंभीर विसंगतियां सामने आईं। जांच के अनुसार, नगर निगम ने कोटक महिंद्रा बैंक में कुल 16 एफडी करवाई थीं। इनमें से 11 एफडी, जिनकी कुल राशि 59.58 करोड़ थी, 16 फरवरी 2026 को मैच्योर हो गईं। लेकिन मैच्योरिटी के बाद बैंक द्वारा दिए गए विवरण नगर निगम के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते। खाता संख्या 2046903758 के संबंध में 16 मार्च 2026 को प्राप्त बैंक स्टेटमेंट के अनुसार, 13 मार्च को खाते में अपेक्षित 50.07 करोड़ की जगह केवल 2.18 करोड़ शेष थे। वहीं, बैंक ने यह भी बताया कि कोई सक्रिय एफडी मौजूद नहीं है और 18 मार्च 2026 तक खातों में कुल शेष राशि 12.86 करोड़ ही रह गई थी।

चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा पर जमकर बरसे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कहा-

असम में झारखंड मॉडल लागू करने की जरूरत

संवाददाता

रांचीः असम में धुआंधार चुनाव प्रचार के दौरान झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बीजेपी पर तीखा हमला बोलते हुए झारखंड सरकार की उपलब्धियों को प्रमुखता से रखा। कोकराझार जिले के गोसाईंगांव विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में उन्होंने फ्रेडरिक्सन हांसदा के समर्थन में जनता को संबोधित किया।

'यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि अधिकारों की लड़ाई' : सोरेन ने अपने भाषण में आदिवासी समाज की ऐतिहासिक वीरता का जिक्र करते हुए कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने लोगों से चुनावी प्रलोभनों से सावधान रहने और शिक्षा पर ध्यान देने की अपील की, जिसे उन्होंने सबसे बड़ी ताकत बताया।

'चाय बागान के मजदूरों को नहीं मिला उनका हक': चाय बागान मजदूरों का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि इनका देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है, लेकिन अब तक उन्हें उनका हक नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के समय लोगों को पैसे का लालच दिया जाता है, लेकिन बाद में उनका शोषण होता है।

'आदिवासी छात्रों की उच्च शिक्षा का खर्चा उठा रही झारखंड सरकार' : शिक्षा के मुद्दे पर झारखंड मॉडल का जिक्र करते हुए सोरेन ने कहा कि वहां सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार हुआ है और बड़ी संख्या में छात्र प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आदिवासी छात्रों की उच्च शिक्षा का खर्च झारखंड सरकार उठा रही है और ऐसी व्यवस्था असम में भी लागू होनी चाहिए। अपने संबोधन में उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करते हैं और जनता को केवल मीठे वादों से भ्रमित करते हैं। सोरेन ने कहा कि उनका उद्देश्य सच्चाई को सामने रखना और आने वाली पीढ़ी को शिक्षित व सशक्त बनाना है।

सरहुल मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य व सफल आयोजन

संवाददाता

मुरीः रेलवे आदिवासी परिवार, मुरी शाखा द पू रेलवे के तत्वावधान में सरहुल बागान मुरी रेलवे हॉस्पिटल के सामने में सरहुल मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन हर्षोल्लास एवं पारंपरिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध परंपरा, संस्कृति एवं प्रकृति-पूजा के प्रतीक सरहुल पर्व को विधिवत पूजा पाठ के साथ आरम्भ हुआ। आयोजन डॉ। झरिया कच्छप के मार्गदर्शन में कुसुम मुंडा, डी के। बड़ाइक, विशुन हेमरोम, निरंजन बाघवार, एलिजाबेथ जोसेफ, अरुण कुमार भगत, रतन साउंड, बलबीर सिंह, शिबू पहान,अशिम तिर्की, एस ए। एक्का, एमपी। तिर्की, आनंद तिर्की, अशिम तिर्की, अमित कुजूर, एम एल मांझी, प्रकाश उरांव, सहित अन्य जुझारू कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इसके अलावा एससी।/एसटी। एसोसिएशन के मंडल सचिव विनोद उरांव एवं सदस्यों हेमलाल लकड़ा, रवि तिर्की, रमेश महली, सकलू उरांव, चुलवा उरांव, प्रदीप तिर्की, लालदेव उरांव, आर के। उरांव, डी एस। मुंडा, अरुण खलखो, अमर तिर्की, ए जे। किंडो, भूषण मिंज, छोटेलाल बेदिया आदि का सराहनीय योगदान रहा।कार्यक्रम मे उसुर्लाइन स्कूल की प्रिंसिपल सरिता सिस्टर्स बोदरा , सिस्टर्स एवं छात्र-छात्राओं का दल, हिंदी मीडियम स्कूल छात्रा, अंग्रेजी मीडियम छात्रा, केंद्रीय सरना समिति (सिल्ली) अध्यक्ष गंदुरा उरांव , मांगरा पहान, भवानी मुंडा, नलिन मुंडा, बिरसा उरांव, एतवा उरांव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं समाचार मीडिया प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर मुख्य एडीएम साहेब मुरी, रांची मंडल,विशिष्ट अतिथि, एम। मिंज आरपीएफ प्रभारी, प्रिंसिपल सिस्टर्स सरिता बोदरा एवं समस्त सिस्टर्स की टीम एवं अन्य गणमान्य अतिथियों मुरी स्टेशन प्रबंधक, स्टेशन मास्टर, यार्ड मास्टर की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के संचालन निरंजन बाघवार ने किया। साथ ही रेलवे के विभिन्न विभागों–टीटीई, एसएसई, जेई, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, टीआरडी, इंजीनियरिंग विभाग, मेडिकल विभाग, कॉमर्शियल विभाग आदि अन्य विभागों –के सैकड़ों कर्मचारियों, स्थानीय दुकानदारों, आम जनमानस एवं युवा पीढ़ी की भारी उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक एवं यादगार बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाज की परंपरा, संस्कृति एवं एकता को सशक्त बनाने हेतु ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

मुरहू हिंसा के बाद खूंटी में उबाल, अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान, प्रशासन अलर्ट मोड में

संवाददाता

रांची/खूंटीः खूंटी जिले के मुरहू इलाके में हुई हिंसक झड़प के बाद माहौल अभी भी तनावपूर्ण बना हुआ है। पथराव की घटना के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई, जिसके चलते बंद का ऐलान किया गया।

खूंटी में अनिश्चितकालीन बंद का ऐलानः शनिवार को मुरहू क्षेत्र में पथराव की घटना हुई, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया। इस घटना से नाराज लोगों ने रविवार को एक बैठक की। बैठक में सर्व सनातन समाज ने खूंटी जिले में अनिश्चितकालीन बंद रखने का फैसला किया। बंद की शुरूआत दोपहर से ही कर दी गई। बैठक से पहले समाज के लोग शहर में घूमकर दुकानों को बंद करवाते नजर आए। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा के नेतृत्व में खूंटी थाना पहुंचे। वहां उन्होंने डीएसपी वरुण रजक से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं।

निर्दोष लोगों को जल्द से जल्द छोड़ा जाना चाहिएः प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग है कि गिरफ्तार किए गए लोगों को बिना शर्त रिहा किया जाए और पुलिस की कार्रवाई रोकी जाए। इस पर नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि निर्दोष लोगों को जल्द से जल्द छोड़ा जाना चाहिए। वहीं प्रशासन का कहना है कि कार्रवाई पूरी तरह तथ्यों और शिकायतों के आधार पर की जा रही है। डीएसपी वरुण रजक के अनुसार, दोनों पक्षों की शिकायतों पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि दो लोगों के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले हैं, जबकि बाकी लोगों को छोड़ने की प्रक्रिया जारी है।

पुलिस के मुताबिक, इस घटना से जुड़े अब तक मुरहू थाना में 10 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से तीन केस प्रशासन की ओर से दर्ज किए गए हैं। इस दौरान अलग-अलग संगठनों के लोगों ने भी अपनी बात प्रशासन के सामने रखी। कुछ नेताओं ने कानून-व्यवस्था और धार्मिक जुलूसों पर सवाल उठाए, जबकि एक पक्ष ने हमले और मारपीट का आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत दी है।

झारखंड में बदलेगा मौसम का मिजाज

रांची समेत कई जिलों में गरज-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट

संवाददाता

रांचीः झारखंड में आने वाले दिनों में मौसम बदलने वाला है। मौसम विभाग ने राज्य के कई इलाकों में बारिश, तेज हवा और गरज-तूफान की संभावना जताई है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

31 मार्च को पूरे राज्य में आंधी-तूफान का अलर्टः मौसम विभाग के अनुसार झारखंड में अगले कुछ दिनों तक मौसम खराब रह सकता है। कई जगहों पर आंशिक बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। रविवार को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में तेज हवा, गरज और वज्रपात का खतरा बताया गया है। 31 मार्च को उत्तर-पश्चिमी हिस्से को छोड़कर लगभग पूरे राज्य में आंधी-तूफान और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है।

31 मार्च को गरज के साथ बारिशः 2 अप्रैल को दक्षिणी और आसपास के मध्य इलाकों में भी तेज हवा और बिजली गिरने की संभावना है। हालांकि 30 मार्च, 1 अप्रैल और 4 अप्रैल को कोई खास चेतावनी नहीं दी गई है। राजधानी रांची में भी मौसम का असर दिखेगा। 30 मार्च को आसमान में बादल रहेंगे लेकिन मौसम सूखा रहेगा। 31 मार्च को गरज के साथ बारिश हो सकती है। 1 अप्रैल को मौसम साफ रहेगा, जबकि 2 अप्रैल को फिर से बादल और गरज-तूफान बन सकते हैं। तापमान में भी बदलाव देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग ने लोगों से अपील कीः पहले दो दिनों में तापमान 3-4 डिग्री तक बढ़ सकता है, फिर इसके बाद 2-3 डिग्री तक गिर सकता है। रांची में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री और न्यूनतम 18 से 21 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सावधान रहें और खासकर बिजली गिरने के समय खुले स्थानों से दूर रहें। मौसम में बदलाव का कारण बंगाल और आसपास बने साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ओडिशा के ऊपर सक्रिय एक सिस्टम को बताया गया है। इसके असर से अगले 5 दिनों तक राज्य में बारिश, तेज हवा और गरज-तूफान का दौर जारी रह सकता है।

तमाड़ में पीजी कॉलेज बनाने का विरोध, ग्रामीणों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

रांचीः राजधानी रांची जिले के तमाड़ में राधारानी मंदिर परिसर में क्षेत्र के विकास को लेकर रविवार यानी 29 मार्च को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया रमेश कुमार मुंडा ने की। बैठक में जनता के भलाई से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई अहम निर्णय लिए गए। इसमें पीजी महाविद्यालय से जुड़ा फैसला भी लिया गया।

पीजी कॉलेज को लेकर हुआ फैसला : ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में पीजी कॉलेज को मुख्यालय से दूर क्षेत्र में बनाने की योजना बन रही है। जिसका विरोध किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि तमाड़ थाना के पास स्थित फार्म की कुल जमीन में से दस एकड़ जमीन उच्च शिक्षा विभाग में ट्रांसफर कर वहां प्रस्तावित सरकारी पीजी महाविद्यालय का निर्माण कराया जाए।

ग्रामीणों का हस्ताक्षर अभियान : बैठक करने के बाद तमाड़ के मुख्य चौक चौराहो से होकर जुलुस के रूप में जनसमर्थन एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि तमाड़ मुख्यालय होने के कारण यहां पीजी कॉलेज बनने से आसपास के कई प्रखंडों के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा लेने में आसानी होगी। इसी उद्देश्य को लेकर बैठक में जनसमर्थन हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसके माध्यम से राज्यपाल और मुख्यमंत्री के सामने मांगों को जल्द ही रखा जाएगा। मौके पर रमेश कुमार मुंडा, डॉ। दुगार्दास मोदक, श्रवण भगत, अनिमा मल्लिक, अशोक गोस्वामी, सौमिक हल्दार, अशोक मिश्रा, चंदन गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रील्स बनाने के दौरान हाईटेंशन तार की चपेट में आने से छात्र की मौत

बोकारोः आज युवाओं में रील्स बनाने का क्रेज है जो इनके लिए जानलेवा साबित हो रहा है। रील्स और सेल्फी के चक्कर में बोकारो में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। जहां हाई टेंशन तार की चपेट में आने से एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

ये घटना बोकारो रेलवे गुड्स शेड के हंप यार्ड की है, जहां निजी स्कूल के सात छात्र रील्स और सेल्फी बनाने पहुंचे थे। इसी दौरान एक छात्र अभिमन्यु चटर्जी सेल्फी लेने के लिए ऊपर चढ़ गया और 25 हजार वोल्ट के हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया। उसे बचाने के लिए आगे बढ़े उसके साथी कौशिक शर्मा भी करंट की चपेट में आ गया। ये हादसा इतना भयानक था कि कौशिक शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अभिमन्यु बनर्जी गंभीर रूप से झुलस गया।

इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आरपीएफ की टीम ने तुरंत दोनों को बोकारो जनरल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने कौशिक शर्मा को मृत घोषित कर दिया, जबकि अभिमन्यु का इलाज जारी है। इस घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

इस मामले को लेकर आरपीएफ एसआई अरुणा उरांव ने बताया कि टोटल सास छात्र घूमने आए हुए थे उसमें एक टावर पर चढ़ा जिससे उसे बिजली का 25000 वोल्ट का झटका लगा जिसे बचाने के लिए जो दूसरा बच्चा दौड़ा। इसी क्रम में उसे भी झटका लगा और दोनों वहीं गिर गए। पुलिस लोगों की सूचना पाकर तत्काल वहां से उठाकर बोकारो जनरल अस्पताल पहुंचाया। इसी बीच एक छात्र की मौत हो गयी, दूसरा बच्चा अभी अंडर ट्रीटमेंट है।

मैथन टोल प्लाजा

एक अप्रैल से बढ़ेगीं टोल दरें ,कार-बस-ट्रक समेत सभी वाहनों पर असर

संवाददाता

रांचीः 1 अप्रैल 2026 से देशभर में नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर सफर करना महंगा हो जाएगा। टोल टैक्स में 4-5% तक बढ़ोतरी की जा रही है, जिससे आम यात्रियों और वाहन मालिकों पर सीधा असर पड़ेगा।

कार चालकों को अब 100 की जगह देने होंगे 105 रुपयेः 1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा पर टोल दरें बढ़ाई जा रही हैं। इसका असर झारखंड और पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित मैथन टोल प्लाजा पर भी पड़ेगा। यहां से गुजरने वाले वाहनों को अब 5 से 15 रुपये तक ज्यादा टोल देना होगा। वहीं मासिक पास भी 10 रुपये महंगा कर दिया गया है। नई दरों के अनुसार, बड़े वाहनों का टोल बढ़ गया है। 12 से 16 चक्का वाले बड़े वाहनों का टोल 655 रुपये से बढ़ाकर 670 रुपये कर दिया गया है। कंस्ट्रक्शन में इस्तेमाल होने वाले भारी वाहनों का टोल 640 से बढ़कर 650 रुपये हो गया है। ट्रक और बस का टोल 345 से बढ़ाकर 350 रुपये कर दिया गया है। कार चालकों को अब 100 की जगह 105 रुपये देने होंगे।

टोल प्लाजा पर नकद भुगतान पूरी तरह बंदः स्थानीय वाहनों के लिए भी टोल बढ़ाया गया है। ओवरसाइज लोकल वाहन का टोल 330 से बढ़कर 335 रुपये हो गया है। भारी कंस्ट्रक्शन वाहन का टोल 270 से बढ़कर 275 रुपये कर दिया गया है। लोकल बस और ट्रक का टोल 170 से बढ़ाकर 175 रुपये कर दिया गया है। लोकल कार का टोल 50 से बढ़ाकर 55 रुपये कर दिया गया है। मासिक पास भी 350 से बढ़ाकर 360 रुपये कर दिया गया है। टोल प्लाजा प्रबंधन का कहना है कि यह बढ़ोतरी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के निर्देश पर की गई है और 1 अप्रैल की आधी रात से लागू होगी। लोगों को इसके बारे में जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है।

अब टोल प्लाजा पर नकद भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया गया है। वाहन चालकों को टोल टैक्स केवल फास्टैग या यूपीआई के जरिए ही देना होगा। अगर कोई वाहन चालक बिना टोल दिए निकल जाता है या बकाया रहता है, तो उसे एसएमएस या ईमेल के जरिए नोटिस भेजा जाएगा और समय पर भुगतान न करने पर जुमार्ना भी लगाया जा सकता है।

असरः टोल दरों में बढ़ोतरी से आम लोगों और वाहन मालिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, खासकर उन लोगों पर जो रोजाना हाईवे का इस्तेमाल करते हैं।

विष्णुगढ़ दरिंदगी मामले के विरोध में गिद्दी कोयलांचल बंद, सड़क पर उतरे भाजपा समर्थक,7

हजारीबागः विष्णुगढ़ में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और निर्मम हत्या की घटना के विरोध में भाजपा द्वारा आहूत झारखंड के हजारीबाग बंद का गिद्दी कोयलांचल में व्यापक असर देखने को मिला। सोमवार को क्षेत्र की लगभग सभी दुकानें बंद रहीं और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी पूरी तरह ठप नजर आई। पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा रहा।

बांस-बल्लियां लगाकर सड़क जाम : बंद को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता सुबह से ही सड़कों पर उतर आए। कार्यकताओं ने गिद्दी चौक पर बांस की बल्लियां लगाकर मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। इस दौरान उन्होंने झारखंड सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए।

जाम से लोगों को हुई परेशानीः सड़क जाम के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों और यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोग घंटों जाम में फंसे रहे, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। हालांकि प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह विरोध दोषियों की गिरफ्तारी के लिए जरूरी है।

सरकार पर साधा निशानाः मौके पर मौजूद भाजपा नेता पुरूषोत्तम पांडेय ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आए दिन जघन्य अपराध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विष्णुगढ़ की घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया है, लेकिन सरकार और जिला प्रशासन अब भी संवेदनहीन बना हुआ है।

दोषियों की गिरफ्तारी की मांग तेजः प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में मांग की कि घटना में शामिल सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए। उनका कहना था कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बना दिया है।

कई नेता और कार्यकर्ता रहे शामिल : बंद को सफल बनाने में भाजपा के कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता सक्रिय रहे। इनमें मंडल अध्यक्ष राजदीप प्रसाद, गणेश साहू, वृजकिशोर पाठक, अवतार सिंह, पिंटू सिंह, विकास सिंह, कृष्णा सिंह, गिरजा सिंह, दीपक सिंह, जगदीश प्रसाद, सांवरमल शर्मा, अनमोल सिंह, मुकेशचंद्र वंशी और संतोष सिंह शामिल थे। सभी ने मिलकर विरोध प्रदर्शन को जोरदार बनाया।

जंगल से युवक का शव बरामद, हत्या का आरोप

नामकुमः लोवाडीह महावीर कॉलोनी सेंटर प्वाइंट निवासी महेंद्र साहू के 19 वर्षीय बेटे राहुल कुमार का शव पुलिस ने रिंग रोड के समीप कवाली जंगल से संदिग्ध अवस्था में बरामद किया है। महेंद्र ने बेटे की हत्या किये जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि वे और राहुल मिक्सचर मशीन ठेकेदार हैं। रविवार की सुबह दस बजे राहुल घर से निकला था। दोपहर दो बजे राहुल ने फोन कर कहा कि उसका अपहरण कर मरासिल्ली पहाड़ के समीप जंगल में लाया गया है। जहां कुछ खिलाकर 8000 रुपये लूट लिये गये हैं। उसने बचाने की गुहार लगायी थी। उसके बाद उन्होंने पहाड़ के आसपास खोजबीन की। परंतु राहुल का पता नहीं चला। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर कवाली जंगल से राहुल का शव उसका मोबाइल बरामद किया। राहुल के मुंह व आंख में चोट के निशान हैं। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रामनारायण सिंह ने बताया कि मामला संदिग्ध है।

रांची में इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी

जेएससीए स्टेडियम में खेलें जायेगें दो टी-20 मैच, छाएगा रोमांच

संवाददाता

रांचीः झारखंड के क्रिकेट प्रेमियों के लिए बहुत ही अच्छे दिन आने वाले हैं। वे अपने चहेते खिलाड़ियों का जल्द ही दीदार कर पाएंगे। दरअसल, झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन को इंटरनेशन क्रिकेट मैचों की मेजबानी करने का अवसर मिला है। इसमें दो बड़े मुकाबले होंगे। इस आयोजन से क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

जेएससीए अध्यक्ष जी कुमार ने बताया कि झारखंड को दो इंटरनेशन क्रिकेट मैचों की मेजबानी का अवसर मिल रहा है। इसमें 9 अक्तूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20

मुकाबला खेल जाएगा। लंबे समय के बाद जेएससीए स्टेडियम में इंटरनेशल मैच का आयोजन होने जा रहा है। पिछले दिनों भारत और साउथ अफ्रीका के बीच क्रिकेट मैच खेला गया था,जिसमें भारत ने जीत हसील की।

उन्होंने कहा कि स्टेडियम में एक बार फिर दर्शकों की भारी भीड़ होगी। टीमों का जोरदार समर्थन और मैदान पर हाई-वोल्टेज क्रिकेट का नजारा देखने को मिल सकता है। रांची में होने वाला यह मैच युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों के बीच पहले से ही उत्साह का विषय बन गया है। इसके अलावा, 19 फरवरी से 23 फरवरी 2027 तक भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मैच भी रांची में आयोजित किया जाएगा। यह मुकाबला जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट क्रिकेट हमेशा से कड़ी टक्कर और रोमांच से भरा रहा है, ऐसे में इस मैच को लेकर अभी से चर्चाएं तेज हो गई हैं। लंबे प्रारूप के इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच रणनीति, धैर्य और कौशल की असली परीक्षा होगी।

अग्निवीर और महिला मिलिट्री पुलिस भर्ती के लिए आवेदन की तारीख बढ़ी, अब 10 अप्रैल तक कर सकते हैं अप्लाई

संवाददाता

रांचीः आर्मी रिक्रूटिंग आफिस, रांची ने अग्निवीर जनरल ड्यूटी और महिला मिलिट्री पुलिस भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब इच्छुक अभ्यर्थी 10 अप्रैल तक अपना आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

इन अभ्यर्थियों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और जल्द से जल्द आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। इसके लिए अभ्यर्थी ज्वाइन इंडियन आर्मी के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर आसानी से पंजीकरण कर सकते हैं।

पारदर्शी होगी प्रक्रिया : भर्ती प्रक्रिया को लेकर आर्मी रिक्रूटिंग आफिस ने स्पष्ट किया है कि चयन पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और मेरिट के आधार पर किया जाएगा। किसी भी प्रकार की सिफारिश, दलाली या अनुचित तरीके का इसमें कोई स्थान नहीं है।

अभ्यर्थियों को विशेष रूप से सचेत किया गया है कि वे किसी भी दलाल या भ्रामक सलाह देने वाले व्यक्तियों से दूर रहें और केवल आधिकारिक माध्यम से ही आवेदन करें।

अधिकारियों ने कहा है कि समय पर आवेदन करने से अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की तकनीकी समस्या या अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सकता है।

पिठोरिया में अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन, चुटिया ने मारी बाजी

संवाददाता

रांचीः झारखंड के रांची जिले के पिठोरिया में रविवार यानी 29 मार्च को अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता धूमधाम के साथ पूरी हुई। इस आयोजन में अलग-अलग अखाड़ों से आए प्रतिभागियों ने तलवार, भाला, गदा, धनुष-बाण और लाठी जैसे पारंपरिक हथियारों के संचालन का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों के हैरतअंगेज करतबों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मंडल के अध्यक्ष ने आभार व्यक्त किया : मंडल के अध्यक्ष कृष्णा नायक ने सभी अखाड़ाधारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राम भक्तों ने जिस अटूट उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है, वह सराहनीय है और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि अगले साल भी इसी ऊर्जा के साथ आयोजन सफल होगा।

विजेताओं को किया गया सम्मानितः देर रात तक चले इस कार्यक्रम के अंत में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। प्रतियोगिता के परिणामों की जानकारी देते हुए उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी विजय कुमार गोप ने बताया कि चुटिया श्री महावीर मंडल छोटा नागपुर क्लब ने पहला स्थान प्राप्त कर बड़ा शील्ड, मेडल, तलवारें और नकद पुरस्कार अपने नाम किया। शिव शक्ति बजरंग दल संघ को द्वितीय पुरस्कार के रूप में बड़ा शील्ड, तलवार और नकद राशि दी गई। वहीं तीसरे स्थान पर श्री श्री बजरंग दल ज्योति क्लब चटकपुर रहा, जिसे शील्ड और तलवार देकर सम्मानित किया गया। चौथे स्थान पर न्यू रंगारंग झीमी समिति इरगु टोली मधुकम रांची तथा पांचवें स्थान पर पवन पुत्र क्लब चचगुरा रहे, जिन्हें शील्ड, ढाल और तलवार के साथ नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अखिल भारतीय सुंडी शौंडिक समाज की बैठक

समाज को एकजुट करने पर हुई विस्तृत चर्चा

संवाददाता

रांचीः अखिल भारतीय सुंडी शौंडिक समाज की एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक 28 मार्च की रात्रि 8 बजे से प्रारंभ होकर लगभग 10 बजे तक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस बैठक का नेतृत्व छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से समाज के राष्ट्रीय संयोजक शिवरतन प्रसाद गुप्ता द्वारा किया गया।

बैठक में देश-विदेश से समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। नेपाल से परमेश्वर महासेठ (अध्यक्ष, नेपाल सुंडी महासंघ) एवं महामंत्री राम उद्धार महासेठ ने शुरू से अंत तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने सांगठनिक अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त मुंबई से रमेश राउत, दिल्ली से रंजन कुमार, बिहार (मधुबनी) से सुमन महासेठ एवं प्रहलाद पूर्वे, पटना-हाजीपुर से

श्यामसुंदर प्रसाद, असम से रामनाथ सुंडी, झारखंड से बीरेंद्र साहु, सनत मंडल, मुकुल देवराज, दिलीप नाथ साहु, उड़ीसा से विक्रम साहु तथा पुणे से संजय गुप्ता सहित कई गणमान्य सदस्य वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

बैठक में अखिल भारतीय स्तर पर सुंडी शौंडिक समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से एक छतरी, एक संगठन, एक पहचान एवं एक प्रतीक चिन्ह की अवधारणा पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही आगामी कार्ययोजना को लेकर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। निर्णय लिया गया कि जल्द ही झारखंड प्रदेश में एक भौतिक बैठक आयोजित करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

बैठक के दौरान नेपाल में समाज से जुड़े प्रतिनिधियों की उपलब्धियों पर भी प्रसन्नता व्यक्त की गई। नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह, उनके मंत्रिमंडल में शामिल दीपक शाह, सांसद रविन महतो एवं किशोरी शाह सहित वैश्य समाज के अन्य 11 सांसदों के निर्वाचन पर परमेश्वर महासेठ द्वारा टेलीफोनिक माध्यम से बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

कार्यक्रम का सफल संचालन शिवरतन प्रसाद गुप्ता ने किया, जबकि अंत में राष्ट्रीय प्रवक्ता बीरेंद्र साहु ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक को अगली बैठक तक स्थगित करने की घोषणा की।

राजीव तिवारी और प्रमोद कुमार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने का मामला हुआ खत्म

मेट्रो रेज

रांचीः राजीव कुमार तिवारी और होमगार्ड के जवान प्रमोद कुमार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली हैं। दोनों के खिलाफ दर्ज साहिबगंज तालझारी थाना में रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने का मामला अब खत्म हो चुका हैं। यह मुकदमा होमगार्ड के कंपनी कमांडर संजीव कुमार के द्वारा दर्ज करवाया गया था, जिसके बाद दोनों ने हाईकोर्ट का रुख किया था। इस याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की सहमति के बाद ही राजीव तिवारी और प्रमोद कुमार के ऊपर दर्ज मुकदमे को निरस्त किया गया। आपराधिक मुकदमा खत्म होने से राजीव तिवारी और प्रमोद कुमार को बड़ी राहत मिली है।,

रिम्स में खत्म होगी वेंटिलेटर बेड की किल्लत, 100 बेड की सीसीयू होगी तैयार

संवाददाता

रांचीः रिम्स में गंभीर स्थिति में आने वाले रोगियों को आईसीयू और वेंटिलेटर युक्त बेड के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। लेकिन यह परेशानी जल्द खत्म होने वाली है। रिम्स परिसर में विश्राम गृह के सामने 100 बेडेड अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) का निर्माण तेजी से चल रहा है और करीब 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

इसे इस वर्ष के अंत तक हर हाल में पूरा कर हैंडओवर करने का निर्देश एजेंसी को दिया गया है। पहले केंद्र की योजना के तहत 50 बेड का प्रस्ताव था, लेकिन राज्य सरकार ने 50 सीटें बढ़ाकर 100 बेडेड कर दिया। करीब 50 करोड़ रुपये से बन रही यह यूनिट राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को

मजबूती देगी।

केंद्र सरकार कई राज्यों में ऐसे सीसीयू बना रही यह क्रिटिकल केयर यूनिट सिर्फ रिम्स तक सीमित नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा देश के कई राज्यों और जिलों में इसी तरह की सीसीयू बनाई जा रही हैं। इसका उद्देश्य गंभीर मरीजों को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराना और रेफरल की समस्या को कम करना है। रिम्स में इस तरह की सुविधा का विस्तार होना पूरे झारखंड के मरीजों के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है।

फिलहाल रिम्स में केवल 45 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट संचालित है। रोजाना बड़ी संख्या में गंभीर मरीज यहां पहुंचते हैं, जिससे अधिकांश समय सभी बेड भरे रहते हैं। स्थिति यह है कि जिन मरीजों को तत्काल वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत होती है, उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है।

आरटीआई हॉस्टल में सरकारी कर्मी की संदिग्ध अवस्था में मौत

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित आरटीआई हॉस्टल में एक सरकारी कर्मी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पहचान संजय कुमार के रूप में हुई है। वे एजी अकाउंट्स के पीएस पद पर कार्यरत थे। घटना के बाद इलाके में हलचल मच गई और पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई।

हॉस्टल में मिली लाश, मची अफरा-तफरीः जानकारी के अनुसार, संजय कुमार आरटीआई हॉस्टल में रह रहे थे। सोमवार को उनकी तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली, जिसके बाद लोगों ने उन्हें देखा तो वे अचेत अवस्था में पाए गए। आनन-फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हार्ट अटैक से मौत की आशंकाः प्रथम दृष्टया मामला हार्ट अटैक का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही संजय कुमार के परिजनों और सहकर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई।

पुलिस कर रही जांचः पुलिस ने बताया कि हॉस्टल के आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल से जुड़े सभी तथ्यों को खंगाला जा रहा है। किसी तरह की आशंका या अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है, ताकि सच्चाई सामने आ सके। फिलहाल पूरे मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो

पतरातू में अपराधियों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग, सुरक्षा गार्ड को लगी गोली

संवाददाता

रामगढ़ः जिले के पतरातू थाना क्षेत्र में देर रात अपराधियों ने एक बार फिर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। भुरकुंडाझसौंदा बस्ती मुख्य मार्ग पर पतरातू रेलवे फाटक के पास निमार्णाधीन रेल ओवरब्रिज साइट पर तैनात एक सुरक्षा गार्ड को गोली मार दी गई। जिससे गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार, जयनगर निवासी सुरक्षा गार्ड प्रदीप राजवंशी ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान देर रात बाइक सवार दो हथियारबंद अपराधी मौके पर पहुंचे और बिना किसी चेतावनी के फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली गार्ड को जांघ में लगी, जिससे वह मौके पर ही घायल होकर गिर पड़े।

फायरिंग की आवाज सुनते ही निर्माण स्थल पर काम कर रहे मजदूरों में अफरा तफरी का माहौल हो गया और भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। गोलीबारी से आसपास के लोग भी भयभीत हो गए थे। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। पुलिस को घटनास्थल से खोखा और अपराधियों द्वारा घटनास्थल साइट पर छोड़ा गया पर्चा भी मिला है, जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

घायल गार्ड को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए (रिम्स), रांची रेफर कर दिया गया। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पतरातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और अपराधियों के भागने के संभावित रूट का पता लगाया जा रहा है। साथ ही ओवरब्रिज साइट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

एसडीपीओ पतरातू गौरव गोस्वामी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। घायल गार्ड के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। घायल गार्ड के बेहतर इलाज का भी इंतजाम कराया गया है। लगातार निगरानी रखी जा रही है।

विराट हिंदू समागम में उमड़े लोग

रांचीः देवी मंडप हटिया के प्रांगण में हिंदू समागम का आयोजन किया गया। अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन व दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि अद्वैत आश्रम के स्वामी अमृतानंद जी ने हिंदू समाज के सद्भाव, एकता व भेदभाव रहित समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया। संरक्षक पद्मश्री महावीर नायक ने हिंदू धर्म में गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी श्रीमंत महाराज ने धर्म के माध्यम से समाज निर्माण की बात कही। मुख्य वक्ता आशुतोष द्विवेदी ने समाज में पंच परिवर्तन के पांचों आयाम सामाजिक समरसता, स्वदेशी, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्त्तव्य और पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से राष्ट्र को सुदृढ़, समरस और विकसित बनाने पर विचार दिये।

कार्यक्रम में हटिया क्षेत्र के मातृशक्ति, बंधु व भगिनी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में नन्हे बच्चों के पौराणिक चरित्रों का स्वरूप ने सबका मन मोह लिया। बच्चों ने स्तोत्र, श्लोक व मंत्रों का उद्घोधन कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। प्रसाद का वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। मौके पर अखिलेश्वरनाथ मिश्र, डॉ एनडी गोस्वामी, डॉ उमाशंकर शर्मा, राजा राम सिंह, डॉ प्रेम प्रकाश मिश्र, मिथिलेश्वर मिश्र, राजन वर्मा व उपस्थित थे।

जन्मदिन पर बधाइयों की बाढ़, सोशल मीडिया पर छाए नवीन तिवारी

मेट्रोरेज संवाददाता

डाल्टनगंज : शहर के सामाजिक परिदृश्य में अपनी अलग पहचान बना चुके युवा एवं लोकप्रिय सामाजिक कार्यकर्ता नवीन तिवारी के जन्मदिन पर सोमवार को बधाइयों का मानो सैलाब उमड़ पड़ा।सुबह से ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और व्हाट्सएप पर शुभकामनाओं की झड़ी लगी रही। युवा वर्ग के बीच चाणक्य के नाम से प्रसिद्ध तिवारी को उनके समर्थक फेसबुक गुरु के रूप में भी जानते हैं। सुबह से ही मित्रों और शुभचिंतकों ने भावनात्मक संदेशों के साथ उनके दीर्घायु और

उज्ज्वल भविष्य की कामना की।नवीन तिवारी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हर वर्ग युवा,बुजुर्ग और सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग सभी ने उन्हें अपने-अपने अंदाज में बधाइयां दीं।

उनके सरल स्वभाव,मिलनसार व्यक्तित्व और समाज के प्रति समर्पण ने उन्हें विशेष पहचान दिलाई है।ब्राह्मण समाज के साथ-साथ सर्व समाज में उनकी सक्रियता और मजबूत पकड़ लगातार चर्चा का विषय बनी रहती है। जन्मदिन के अवसर पर श्री तिवारी ने किसी भी प्रकार के आडंबर या भव्य आयोजन से दूर रहकर सादगी को प्राथमिकता दी।उन्होंने प्रातःकाल भगवान महादेव की पूजा-अर्चना कर समाज के सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।उनका यह आध्यात्मिक और सरल दृष्टिकोण लोगों के लिए प्रेरणा बन गया है।

अंजुमन इस्लामिया रांची चुनाव 2026

नामांकन का आज अन्तिम दिन, इबरार अहमद सहित अन्य ने किया नामांकन

रांची (गुलाम शाहिद): अंजुमन इस्लामिया रांची के चुनाव 2026 को लेकर शहर में चुनावी माहौल गर्म हो गया है। इसी क्रम में इबरार अहमद, हाजी मोख्तार अहमद, मो जावेद अहमद सहित अन्य ने सदर पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।नामांकन के अन्तिम दिन पर्चा भरने वालों की भीड़ लगी रही। नामांकन के दौरान उनके समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। समर्थकों के साथ पहुंचे इबरार अहमद ने अंजुमन के विकास और समाज की बेहतरी के लिए काम करने का संकल्प जताया। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें जिम्मेदारी मिलती है तो वे

पारदर्शिता, जवाबदेही और सक्रियता के साथ संगठन को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि इबरार अहमद पुर्व में भी अंजुमन इस्लामिया के सदर रह चुके हैं। रांची चुनाव 2026 के लिए नामांकन की प्रक्रिया निर्धारित तिथियों में जारी है, जिसमें बड़ी संख्या में उम्मीदवार अपने-अपने पदों के लिए पर्चा दाखिल कर रहे हैं। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन के बाद स्क्रूटनी, नाम वापसी और चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जबकि मतदान 12 अप्रैल को आयोजित होगा। इस चुनाव को लेकर समुदाय में काफी उत्साह है और नई नेतृत्व टीम के चयन को लेकर सभी की नजरें आगामी मतदान पर टिकी हुई हैं।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

भारत चीन के आर्थिक संबंध 'दोस्ती' है या 'दबाव'?

भारत और चीन के बीच व्यापार का रिश्ता आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां सच्चाई और दिखावा आमने सामने खड़े हैं। ऊपर से सब कुछ तेजी से बढ़ता हुआ दिखता है, लेकिन अंदर ही अंदर यह रिश्ता भारत की आर्थिक रीढ़ पर दबाव डाल रहा है। यह कहानी केवल व्यापार की नहीं, बल्कि ताकत, निर्भरता और रणनीति की है।

हम आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155 अरब डॉलर से भी ऊपर पहुंच चुका है। पहली नजर में यह उपलब्धि लगती है, लेकिन यही आंकड़ा सबसे बड़ा खतरे का संकेत भी है। कारण साफ है, यह व्यापार संतुलित नहीं है। भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर के पार जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत चीन से बहुत ज्यादा खरीद रहा है और बहुत कम बेच पा रहा है। चीन से आयात 135 अरब डॉलर के करीब है, जबकि भारत का निर्यात मुश्किल से 20 अरब डॉलर के आसपास सिमटा हुआ है। यह असंतुलन सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक निर्भरता का खुला सबूत है।

हम आपको बता दें कि भारत आज भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाओं के कच्चे माल और सोलर उपकरणों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। दरअसल सस्ती कीमतों का लालच भारत को इस जाल में बांधे हुए है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह सस्ता सौदा वास्तव में सस्ता है? जब एक देश आपकी सप्लाई चेन पर नियंत्रण रखता है, तो वह केवल व्यापार नहीं करता, बल्कि आपकी अर्थव्यवस्था पर भी असर डालता है। यही चीन कर रहा है। हैरत की बात यह भी है कि गलवान जैसी घटनाओं के बाद उम्मीद थी कि भारत चीन से दूरी बना लेगा। लेकिन हकीकत उलट है। दोनों देशों के बीच व्यापार न केवल जारी है, बल्कि तेजी से बढ़ा है। कारण यही है कि भारत अभी भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन पर निर्भर है। बुलेट ट्रेन परियोजना से लेकर औद्योगिक मशीनों तक, भारत को चीन से सामान लेना पड़ रहा है। यानी राजनीतिक तनाव अपनी जगह है, लेकिन आर्थिक मजबूरी अपनी जगह है।मगर भारत अब इस असंतुलन को समझ चुका है और धीरे धीरे अपनी रणनीति बदल रहा है। देश में विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। छोटे और मध्यम उद्योगों को ताकत दी जा रही है। नए व्यापार समझौते किए जा रहे हैं ताकि निर्यात बढ़ सके। इसके साथ ही, ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत ने समझदारी दिखाई है। अब वह केवल एक स्रोत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। तेल और गैस की सप्लाई को विविध बनाया जा रहा है। यह संकेत साफ है कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। दूसरी तरफ चीन अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। उसका लक्ष्य साफ है कि उसे दुनिया की फैक्ट्री बने रहना है और हर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करनी है। हम आपको यह भी बता दें कि चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष लगातार बढ़ रहा है। वह नए बाजारों में घुस रहा है और तकनीकी तथा खनिज संसाधनों पर नियंत्रण बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत जैसे देश चाहकर भी उससे पूरी तरह दूरी नहीं बना पा रहे हैं। इसके अलावा, हाल के बयानों में चीन ने भारत के साथ सहयोग की बात कही है। लेकिन यह सहयोग उतना सीधा नहीं जितना दिखता है। इसके पीछे एक रणनीतिक खेल है। चीन चाहता है कि भारत उसके साथ खड़ा रहे, जबकि भारत अपनी स्वतंत्र आर्थिक पहचान बनाना चाहता है। यानी यह रिश्ता अब दोस्ती का नहीं, बल्कि संतुलन का खेल बन चुका है। यह एक ऐसा दौर है जहां दोनों देश एक दूसरे से जुड़े भी हैं और एक दूसरे से बचने की कोशिश भी कर रहे हैं। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि आने वाले समय में भारत और चीन के बीच आर्थिक मुकाबला और तेज होने वाला है क्योंकि सप्लाई चेन का बंटवारा होगा, नए विनिर्माण केंद्र उभरेंगे और तकनीक के क्षेत्र में सीधी टक्कर होगी। भारत अगर अपनी रणनीति पर कायम रहता है, तो वह इस असंतुलन को धीरे धीरे कम कर सकता है। लेकिन अगर वह चूक गया, तो यह निर्भरता और गहरी हो जाएगी। बहरहाल, भारत और चीन का व्यापार संबंध एक दोधारी तलवार है। एक तरफ यह आर्थिक अवसर देता है, दूसरी तरफ यह निर्भरता का खतरा भी पैदा करता है। अब फैसला भारत के हाथ में है कि वह इस रिश्ते को अपने पक्ष में मोड़ता है या फिर आंकड़ों की चमक में छिपे खतरे को नजरअंदाज करता रहता है। क्योंकि सच्चाई यही है, यह व्यापार नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति की लड़ाई है।

भाजपा, संकल्प और राष्ट्रवाद

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया जाना। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय से चल रहा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक भी कानून बन चुका है। भाजपा के सभी संकल्पों में राष्ट्रवाद की झलक है।सामान नागरिक संहिता भी भारतीय जनता पार्टी का एक संकल्प है, जो चरणबद्ध रूप से सिद्धि की दिशा में बढ़ रहा है।

मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष 2014 में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद से लेकर अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में भाजपा अपने सभी संकल्पों को गंभीरता के साथ पूर्णता की ओर ले जाने के लिए अग्रसर है। भाजपा ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक किए गए कई संकल्प पूर्ण किए हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि स्थल पर दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण कराना। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया जाना। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय से चल रहा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक भी कानून बन चुका है। भाजपा के सभी संकल्पों में राष्ट्रवाद की झलक है।

सामान नागरिक संहिता भी भारतीय जनता पार्टी का एक संकल्प है, जो चरणबद्ध रूप से सिद्धि की दिशा में बढ़ रहा है। पहले समान नागरिक संहिता कानून भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड में सफलतापूर्वक लागू हुआ अब उसकी सफलता का गहन अध्ययन करने के बाद गुजरात भी ऐसा दूसरा राज्य बन गया है जहां सामान नागरिक संहिता लागू की गई है। विगत विधानसभा चुनाव से पूर्व गुजरात भाजपा के संकल्प पत्र में सामान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया गया था और इसके लिए एक समिति भी बना दी गई थी। प्रधानमंत्री मोदी लाल किले के संबोधन से भारतीय जनमानस के लिए समान नागरिक संहिता की बात कर चुके हैं। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने भी एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि अगर मुस्लिम महिलाओं को भी समान अधिकार प्राप्त करने हैं तो अब समय आ गया है कि देश की संसद समान नागरिक संहिता पर विचार करे और कानून बनाए। गुजरात विधानसभा में सात घंटे की लंबी चर्चा के बाद यह विधेयक पारित हुआ। इस पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सदस्यों ने इस विधेयक को मुस्लिम विरोधी करार देते हुए कहा कि भाजपा यह विधेयक जानबूझ कर चुनाव से पहले जल्दबाजी में लेकर आई है ।

इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद गुजरात में विभिन्न जातियों, धर्मों और सम्प्रदायों के लिए लोगों के लिए विवाह, तलाक, पिता की संपत्ति में महिलाओं की हिस्सेदारी और लिव -इन रिलेशनशिप को लेकर समान नागरिक संहिता कानून लागू हो जाएगा।विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक प्रस्तुत करते समय मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न वर्गों और धर्मों के बीच कानूनी भेदभाव को समाप्त करना है। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जनजातियों के पुरुषों और महिलाओं पर यह कानून लागू नहीं होगा लेकिन मुस्लिम समुदाय के लिए पर्सनल लॉ को समाप्त किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की समान नागरिक संहिता कानून की आवश्यकता पर दिए गए बयान का उल्लेख करते हुए सदन में कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी विभिन्न धर्मों और समाजों के लोगों के नागरिक अधिकारों के साथ भेदभाव हो रहा है। इस कानून का उद्देश्य विवाह, तलाक, पिता की संपत्ति, भरण पोषण और लिव इन रिलेशनशिप के कानूनों में एकरूपता लाना है। इस विधेयक में विवाह, तलाक और लिव इन रिलेशनशिप का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। इस विधेयक में पहचान छिपाकर धोखे से विवाह करने पर सात वर्ष की सजा का प्रावधान किया गया है ताकि किसी बेटी को धोखा देकर उसका जीवन खराब न किया जा सके।

समान नागरिक संहिता कानून के पक्ष में कहा जा रहा हे कि इससे महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को मजबूती प्राप्त होगी। यह मुस्लिम महिलाओं को कानूनी सुरक्षा देगा। कानून लागू हो जाने के बाद इसके लागू होने के दिन से लिव -इन में रहने वाली महिलाओं को भी पहचान मिल सकेगी। सरकार यह स्पष्ट रूप से कह रही है कि यह किसी धर्म के खिलाफ नहीं अपितु नागरिक अधिकारों को समान बनाने के लिए है। एक प्रश्न यह उठाया जा रहा है कि जब यह समान नागरिक संहिता कानून है तो फिर इसमें आदिवासी समाज को क्यों अलग किया गया है? समान नागरिक संहिता का कांग्रेस विरोध कर रही है। रही बात कांग्रेस और विपक्ष के विरोध की तो वह तो पूरी तरह से मुस्लिम लीगी माओवादी हो चुका है। विपक्ष का कोई भी वक्तव्य सिर्फ वोट बैंक और तुष्टिकरण के लिए ही होता है ।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हिन्दू अनुभूति के महानायक हैं श्रीराम

विश्वास 'अंधविश्वास' जैसा दिखाई पड़ सकता है, लेकिन तर्क और विज्ञान की कसौटी महत्वपूर्ण है। हिन्दू-श्रद्धा का आधार दर्शन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। हिन्दू अनुभूति में राम, कृष्ण और शिव त्रिदेव हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण विष्णु के अवतार माने जाते हैं। भारतीय श्रद्धा ने उन्हें- इतिहास में खोजा।

हृदयनारायण दीक्षित

इतिहास पक्षपातपूर्ण नहीं होता। वह निष्पक्ष और निर्मम होता है। निर्मम का अर्थ है मेरा नहीं, इदं न मम। निष्पक्ष। जहां मम है, मेरा है, वहां पक्षपात है। लेकिन 'श्रद्धा' असम्भव पर विश्वास है। श्रद्धा का विकास शून्य से नहीं होता। वह इतिहास से तथ्य लेती है। संस्कृति की कसौटी पर कसती है। 'लोक' समर्थन करता है, विश्वास की सीमाएं फैलती हैं। विश्वास 'अंधविश्वास' जैसा दिखाई पड़ सकता है, लेकिन तर्क और विज्ञान की कसौटी महत्वपूर्ण है। हिन्दू-श्रद्धा का आधार दर्शन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण है।

हिन्दू अनुभूति में राम, कृष्ण और शिव त्रिदेव हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण विष्णु के अवतार माने जाते हैं। भारतीय श्रद्धा ने उन्हें- इतिहास में खोजा। उन्हें भगवान भी माना। डॉ. राममनोहर लोहिया भारत के लोकमन की थाह ले चुके थे। लोहिया ने राम, कृष्ण और शिव को भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्नों की संज्ञा दी। "राम की पूर्णता मर्यादित व्यक्तित्व में है, कृष्ण की उन्मुक्त या सम्पूर्ण व्यक्तित्व में और शिव की असीमित व्यक्तित्व में, लेकिन हर एक पूर्ण है।" (राम, कृष्ण और शिवः लोहिया, पृ. 4) डॉ. लोहिया समाजवादी थे। डॉ. रामविलास शर्मा मार्क्सवादी थे। महाभारत के सम्बंध में डॉ. शर्मा की टिप्पणी दिलचस्प है, "महाभारत इतिहास है, आख्यान है.... आधुनिक अर्थ में वह इतिहास नहीं है, लेकिन इतिहास से भिन्न भी नहीं है।" फिर आगे कहा, "ऋग्वेद में जो समाज-व्यवस्था है, ऋग्वेद और रामायण के समाजों से महाभारत का समाज पिछड़ा हुआ है।" (भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश)। यहां एक समाज ऋग्वेद का है, एक रामायण का और बाद का समाज महाभारत का है। श्रीराम और रामायण का समाज ऋग्वेद के बाद है, महाभारत के पहले है। राज्य-व्यवस्था भी विकसित है।

भारत के ज्ञात इतिहास, पौराणिक अनुश्रुति के अनुसार वैवस्वत मनु पहले आर्य राजा थे। उनके बड़े पुत्र थे इक्ष्वाकु। मनु और इक्ष्वाकु ऋग्वेद में भी हैं। इक्ष्वाकु अयोध्या के राजा थे। इक्ष्वाकु के 19 पीढ़ी बाद मान्धाता चक्रवर्ती राजा हुए। उनका पुत्र पुरुकुत्स अयोध्या का राजा बना। पुरुकुत्स के 11 पीढ़ी बाद दानवीर राजा हरिश्चन्द्र का शासन आया। 41वीं पीढ़ी में राजा सगर और 45वीं में चक्रवर्ती सम्राट भगीरथ। इक्ष्वाकुवंश के बाद 60वीं पीढ़ी में दिलीप, फिर दिलीप का पोता रघु और भी प्रतापी राजा हुआ। रघु के कारण ही 'रघुवंशी' शब्द चला। रघु के पुत्र अज, अज के पुत्र दशरथ और दशरथ के पुत्र श्रीराम। श्रीराम इक्ष्वाकु वंश की 65वीं पीढ़ी में थे। वाल्मीकि ने इन्हीं श्रीराम को अपना नायक बनाया। रामायण अस्तित्व में आई। वाल्मीकि 'आदर्श मनुष्य' का चित्रण कर रहे थे। वाल्मीकि के श्रीराम मनुष्य हैं और ईश्वर भी हैं। लेकिन मनुष्य ज्यादा हैं। तुलसीदास के राम ईश्वर हैं, वे मनुष्य रूप में लीला करते हैं। राम सबको भाए। श्रीराम का चरित्र और व्यक्तित्व विश्वव्यापी बना। संस्कृत और प्राकृत सहित भारत और विश्व की तमाम भाषाओं में रामकथाएं लिखी गईं। तमिल कवि कम्बन ने 11वीं सदी में ही रामकथा लिखी। मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया में भी रामायण राष्ट्रीय महत्व वाला ग्रंथ है। भारतीय इतिहास के सबसे बड़े लोकप्रिय नेता महात्मा गांधी भारत में 'रामराज्य' के ही स्वप्नद्रष्टा बने। लोहिया के अनुसार 'राम' उत्तर और दक्षिण की एकता के देवता हैं और 'रामायण' उत्तर-दक्षिण एकता का ग्रंथ। उन्होंने कहा, "राम की पूर्णता मर्यादित व्यक्तित्व में है। उन जैसा मर्यादित जीवन कहीं और नहीं, न इतिहास में, न कल्पना में। श्रीराम समन्वय के प्रतीक हैं। न्याय के लिए संघर्ष के प्रतीक हैं। राम आनंद-सागर हैं, हिलोरे लेने वाला सागर नहीं, विश्रांत-निस्पंद।" लोहिया को तुलसी का 'रामचरित मानस' मोहित करता था। एक-एक चौपाई आनंद का सागर है।

'रामराज्य' विश्व में अद्वितीय है। वैदिककाल से लेकर आधुनिक काल की किसी राज्यप्रणाली में रामराज्य के आदर्श नहीं मिलते। तुलसी लिखते हैं, "बयरु न कर काहू सन कोई, राम प्रताप विषमता खोई।" (रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड) फिर कहते हैं, "अल्प मृत्यु नही कौनिऊ पीरा, सब सुन्दर सब बिरुज शरीरा। नहि दरिद्र कोऊ दुखी न दीना, नहि कोऊ अबुध न लच्छन हीना। न अल्पमृत्यु है, न बीमारियां। सब स्वस्थ हैं। कोई गरीब और दुःखी नहीं है। न कोई मूर्ख है और न अगुणी।" सबसे दिलचस्प बात यह है, "बिधु महि पूर मयूखन्हि, रबि तप जेतन्हि काज"- चन्द्रमा धरती को प्रकाश से पूर्ण करता है, सूर्य उतना ही तपते हैं, जितना जरूरी होता है। फिर वर्षा के बारे में कहते हैं, "मांगे वारिधि देहि जल, रामचन्द्र के राज- बादल इच्छा करते ही, जल माँगते ही बरस पड़ते हैं।" रामचरितमानस की प्रगतिशीलता सांस्कृतिक परम्परा से संवाद करती है। यह 'विधि निषेधमय कलिमय हरनी' (बालकाण्ड) है, इसमें विधि-निषेध (करणीय और अकरणीय) की सूची है। वेदों की परम्परा है, उपनिषदों का दर्शन है। सगुण भक्ति-उपासना है। निर्गुण-निराकार की सरल व्याख्या है। अद्वैत दर्शन भी है, "एक दारुगत देखिए एकू, पावक सम जुग ब्रह्म विवेकू- जैसे लकड़ी के भीतर निराकार अग्नि छिपी रहती है, दिखाई नहीं पड़ती, लेकिन जलते समय अग्नि प्रकट रहती है।" प्रकट अग्नि सगुण है, अप्रकट अग्नि निर्गुण है। ऋग्वेद में अग्नि से ऐसी ही प्रार्थना है। उपनिषदों वाले ब्रह्म की तुलसी की चौपाई ठेठ अवधी भाषा में है "व्यापकु एकु ब्रह्म अविनाशी, सत चेतन घन आनंद वासी।" (बालकाण्ड) लेकिन तुलसी भक्तिमार्गी हैं, "निरगुन तें एहि भांति बड़, नाम प्रभाऊ अपार"- वे नाम का प्रभाव निर्गुण और सगुण से भी बड़ा बताते हैं, "कहहुं नाम बड़ नाम राम तें निज विचार अनुसार।" यहां राम का नाम सगुण राम से भी बड़ा है। "राम नाम वाणी है। मन संकल्प है। ध्यान है, विज्ञान है, अन्न-जल उन्हीं में है, वे तेज हैं। आकाश हैं, आशा हैं, प्राण हैं।"

मार्क्सवादीविद्वान श्रीराम को कल्पना बताते हैं। 'राम' भारत की श्रुति में, बोली में, नमस्कार और कुशलक्षेम में, प्रत्येक मंगलमुहूर्त में हैं। चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य बहुपठित विद्वान और राजनेता थे। रामकथा पर वे भी सम्मोहित थे। उन्होंने तमिल में 'तिरुगमन-रामायण' लिखी। इसका हिन्दी अनुवाद उनकी पुत्री और महात्मा गांधी की पुत्र-बहू लक्ष्मी देवदास गांधी ने किया। राजाजी ग्रन्थ की भूमिका में लिखते हैं, "सियाराम, हनुमान और भरत को छोड़कर हमारी कोई गति नहीं। उनकी कथा हमारे पूर्वजों की धरोहर है। हम आज उसी के आधार पर जीवित हैं।" (हिन्दी अनुवाद, पृ. 7) यहां 'इसी के आधार पर हम जीवित हैं' वाक्य पर गौर करना चाहिए। भारत का राष्ट्रजीवन अखण्ड रामायण है। अविभक्त है।

हिन्दू अनुभूति के महानायक हैं श्रीराम। वे दिक्काल में हैं और दिक्काल के परे भी। भारतीय जनता के चित्त, आचार-व्यवहार पर श्रीराम का प्रभाव है। श्रीराम 'मंगल भवन' हैं और 'अमंगलहारी' भी। वे भारत के मन में रमते हैं। मिले तो राम-राम, अलग हुए तो राम-राम। राम का नाम हमसब बचपन से सुनते आए हैं। वे संकट के धैर्य हैं। वे परम शक्तिशाली हैं। भाव-श्रद्धा में वे ईश्वर हैं। राम तमाम असंभवों के संभव हैं। युद्ध में अजेय पौरुष-पराक्रम और निजी जीवन में मयार्दा के पुरुषोत्तम। श्रीराम भारतीय आदर्श व आचरण के शिखर हैं। भारतीय मनीषा ने उन्हें ब्रह्म या ईश्वर जाना है। श्रीकृष्ण भी विष्णु के अवतार हैं। वे अर्जुन को गीता (10.31) में बताते हैं "पवित्र करने वालों में मैं वायु हूं और शस्त्रधारियों में राम हूं।" राम महिमावान हैं। श्रीकृष्ण भी स्वयं को राम बताते हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

भारत का एकमात्र मंदिर जहां भगवान को मिलती है गॉर्ड ऑफ ऑनर

वैसे तो भारत में भगवान श्रीराम के हजारों मंदिर है। लेकिन मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में स्थित ओरछा एक ऐसी पावन नगरी है, जिसकी कहानी सबसे ज्यादा निराली है। यहां पर भगवान श्रीराम को 'ईश्वर' के रूप में नहीं बल्कि ओरछा के 'वैध राजा' के रूप में पूजा जाता है। वहीं ओरछा को 'बुंदेलखंड की अयोध्या' भी कहा जाता है और यहां की परंपराएं इतनी अनूठी है कि दुनिया में कहीं और ऐसा देखने को नहीं मिलता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत के इस मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर भगवान श्रीराम को राजा की तरह पूजते हैं।

भक्ति और जिद की कहानी

राम राजा के मंदिर का इतिहास करीब 500 साल पुराना है। वहीं इसका संबंध ओरछा के राजा मधुकर शाह और उनकी रानी कुंवरि गणेश से जुड़ा है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक राजा मधुकर शाह भगवान श्रीकृष्ण के परम भक्त थे, जबकि रानी कुंवरि गणेश भगवान श्रीराम की अनन्य भक्त थीं।

एक बार राजा मधुकर शाह ने अपनी रानी को साथ वृंदावन चलने का आग्रह किया था। लेकिन रानी

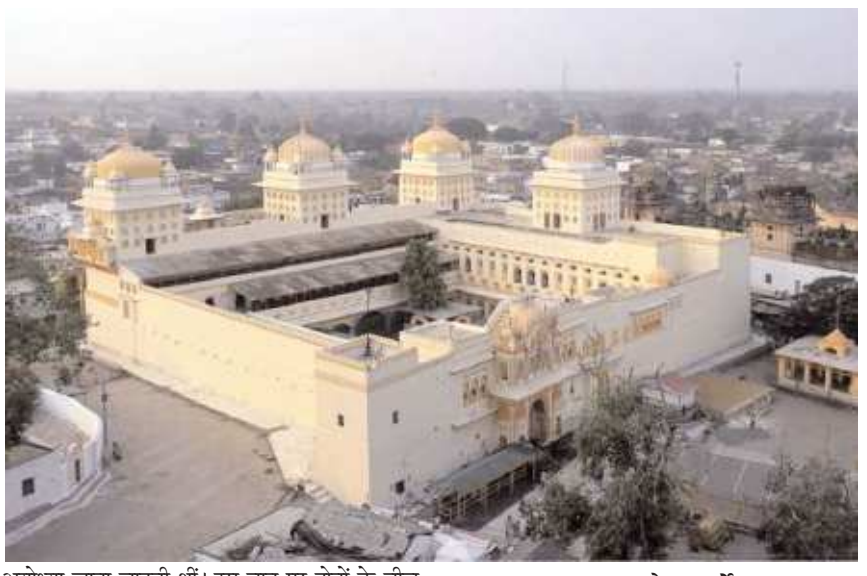

अयोध्या जाना चाहती थीं। इस बात पर दोनों के बीच बहस हो गई और राजा ने व्यंग्य करते हुए कहा, 'अगर तुम्हारे राम इतने बच्चे हैं, तो उनको अयोध्या से ओर लाकर दिखाओ।' रानी ने इस चुनौती को स्वीकार किया और यह ठान लिया कि वह अयोध्या से तभी लौटेंगी तब स्वयं रामलला उनके साथ होंगे।

सफर और 3 शर्तें

जब रानी अयोध्या पहुंची, तो सरयू किनारे कठिन तपस्या की। जब भगवान प्रकट नहीं हुए तो उन्होंने सरयू में छलांग लगा दी। रानी की अटूट भक्ति को देखकर भगवान श्रीराम बालरूप में उनकी गोद में प्रकट हुए। स्थानीय कथाओं के मुताबिक भगवान श्रीराम ने ओरछा चलने के लिए रानी के सामने तीन बड़ी शर्तें रखी थीं।

पहली शर्त थी कि वह पुष्य नक्षत्र में यात्रा करेंगे, दूसरी शर्त है कि उनको जहां पहली बार बिठा दिया जाएगा, वह वहीं स्थापित हो जाएंगे। वहीं तीसरी शर्त थी कि ओरछा पहुंचने के बाद उनकी सत्ता होगी, वहां पर कोई दूसरा राजा राज नहीं करेगा।

महल बना मंदिर

जब रानी रामलला को लेकर ओरछा पहुंची, तो रात हो चुकी थी। इसलिए उन्होंने प्रतिमा को महल की रसोई में रख दिया। लेकिन जब अगले दिन वह विशाल 'चतुर्भुज मंदिर' में भगवान को लेकर जाने की कोशिश करने लगी। तो प्रतिमा टस से मस नहीं हुई। भगवान की शर्त के मुताबिक रसोई ही रामलला का स्थायी निवास बन गई, जिसको आज हम राम राजा मंदिर के रूप में जानते हैं।

माना जाता है कि तब से भगवान रात के हाथों में ओरछा की पूरी सत्ता है। राजा मधुकर शाह ने अपना राजपाठ भगवान राम के चरणों में सौंप दिया। आज भी यहां पुलिस के जवान चारों पहर भगवान को 'गार्ड ऑफ ऑनर' देते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

स्वच्छता से स्वास्थ्य की ओर: बगमुंडी गांव में जागरूकता अभियान ने बदली सोच

–स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्रामीणों को किया गया जागरूक

संवाददाता

साहिबगंजःजिला अंतर्गत पोयाल पंचायत के बगमुंडी गांव में आज चेतना विकास संस्था एवं एसबीआई फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान बगमय मरांडी ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुखिया श्रीमती तेरिसिना मरांडी उपस्थित रहीं।कार्यक्रम की शुरूआत विवेक कुमार सिंह ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों का तालियों के साथ स्वागत करते हुए की और सभी को बैठकर कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया। एसबीआई फाउंडेशन के कोऑर्डिनेटर सतीश चंद्र महतो ने

बताया कि चेतना विकास संस्था साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखंड के पोयाल पंचायत अंतर्गत बगमुंडी सहित कुल 10 गाँवों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा डॉक्टर, एएनएम, फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन की टीम के माध्यम से हर 15 दिन पर एम्बुलेंस सेवा के जरिए ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार एवं दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।साथ ही यह भी जानकारी दी कि गाँव में पेयजल सुविधा को बेहतर बनाने के लिए एक चापाकल की मरम्मत कराई गई है।उसके चारों ओर चबूतरा निर्माण, घेराबंदी, दो डस्टबिन की व्यवस्था तथा फूलों का बगीचा लगाया गया है। साथ ही जल मीनार की मरम्मत हेतु पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को आवेदन दिया गया है। जिस पर शीघ्र कार्य होने का आश्वासन मिला है।कार्यक्रम के दौरान सामूहिक सफाई अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थलों एवं चापाकल के आसपास सफाई की गई, कचरे को डस्टबिन में एकत्र कर उसका उचित निपटान किया गया तथा फिनाइल और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और ग्रामीणों को कचरा प्रबंधन की सही विधि समझाने के लिए एक डेमो प्रस्तुत किया गया, जिसमें सूखे और गीले कचरे के लिए अलग-अलग गड्ढे बनाने की जानकारी दी गई। गीले कचरे से जैविक खाद तैयार कर खेतों में उपयोग करने की सलाह दी गई, जिससे भूमि की उर्वरता बढ़ेगी।चेतना विकास के कार्यकर्ता सतीश चंद्र एवं डॉक्टर अखिल ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केवल सही तरीके से हाथ धोने की आदत अपनाकर कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इस दौरान ग्रामीणों को हाथ धोने की सही विधि का अभ्यास भी कराया गया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहिया शिला हेम्ब्रम, दुखन कोल एवं सिकंदर बास्की का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

न्यूज IN ब्रीफ

एफबीआई गोदाम के ठेकेदार की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत

साहिबगंज :जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवगंज स्थित एफसीआई गोदाम के एक ठेकेदार की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान मनोज कुमार महतो 55 वर्ष के रूप में हुई है, जो मूल रूप से हजारीबाग जिले के यशवंतपुर थाना सदर क्षेत्र के निवासी बताए जाते हैं। वे यहां एफसीआई गोदाम में ठेकेदार के रूप में कार्यरत थे।मृतक के पुत्र शुभम कुमार द्वारा थाना में दिए गए आवेदन में बताया गया है कि उनके पिता रोज की तरह रेलवे लाइन के पास अपनी गाड़ी लगाकर गोदाम जाया करते थे। शनिवार की देर रात भी वे इसी क्रम में रेलवे लाइन पार कर रहे थे, तभी अचानक ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।रविवार सुबह जैसे ही रेल ट्रैक पर ठेकेदार की मौत की खबर फैली, महादेवगंज व आसपास के इलाकों में यह खबर तेजी से फैल गई। बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। कई लोगों ने मृतक को देखते ही पहचान लिया और बताया कि वे क्षेत्र में ठेकेदार के रूप में जाने जाते थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना की सूचना तत्काल जीआरपी थाना और जिरवाबाड़ी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दोनों थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। इसके बाद शव को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम कराया गया।घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को भी दे दी गई थी। सूचना मिलने के बाद परिजन सड़क मार्ग से साहिबगंज पहुंच गए। इधर, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि मृतक के पुत्र के आवेदन के आधार पर यूडी कांड संख्या 09/26 दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है

बाइक की चपेट में आने से चार वर्षीय बच्चे की मौत

साहिबगंज :जिले के राजमहल में रविवार को हुए सड़क हादसे में एक चार साल के युवक की जान चली गई. राजमहल-साहिबगंज फोर लेन पर बुधवरिया गांव के पास बच्चा बाइक की चपेट में आ गया था। बाइक से इतनी जोरदार टक्कर लगी कि बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई. यह घटना रविवार सुबह करीब 11.30 बजे की है. हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बुधवरिया गांव निवासी झगडू मंडल के चार वर्षीय पुत्र राजकुमार मंडल के रूप में हुई है. वहीं, बाइक चला रहे शोभापुर गांव निवासी प्रह्लाद मंडल असंतुलित होकर सड़क पर गिर पड़े और बेहोश हो गए. उन्हें भी गंभीर चोटें आई हैं।इस दर्दनाक घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है।बच्चे की मां पुष्पा देवी बार-बार बेहोश हो जा रही थीं. गांव में भी सन्नाटा पसरा हुआ है और हर कोई इस हादसे से स्तब्ध है. घटना की सूचना मिलते ही राजमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन और थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है. हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस छानबीन कर रही है. घटना की जानकारी मिलते ही जिला परिषद प्रतिनिधि राजेश मंडल और स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे. उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की।

पति ने डांस करने से रोका तो पत्नी ने खाया जहर , मौत

दुमकाः जिले केगोपीकांदर थाना क्षेत्र के सहारो गांव में पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद दर्दनाक घटना होने की सूचना है. मिली जानकारी के मुताबिक पत्नी ने कीटनाशक खा लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान सहारो गांव निवासी सूर्या देवी के रूप में हुई है। पति का नाम मनोज राय बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार शनिवार रात डांस को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था।गुस्से में आकर महिला ने जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर रात में ही उसे दुमका अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दोनों का 11 माह पहले प्रेम विवाह हुआ था। महिला जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव की रहने वाली थी।

अभियान चलाकर काटा गया उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन

साहिबगंज/उधवा:प्रखंड के विभिन्न इलाकों में बिजली विभाग की टीम के द्वारा लगातार पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं का अभियान चलाकर विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है।इसी क्रम में रविवार को विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने प्रखंड क्षेत्र के उधवा,पियारपुर एवं मध्य पियारपुर में अभियान चलाया। इस दौरान बिजली विभाग की टीम ने बताया कि अभियान के दौरान पांच हजार से अधिक बकाया वाले 10 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटा गया है। साथ ही उनलोगों को बकाया राशि जल्द-जल्द भुगतान करने के साथ-साथ विद्युत कार्यालय से आरसीडीसी रशीद लेकर ही बिजली उपयोग करने को कहा गया। मौके पर लाइनमैन रविन्द्र मंडल,अरूण मंडल,प्रकाश मंडल,पूरन साहा, इस्लाम शेख,शौकत शेख,दिपक मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक आचार्य कार्यशाला शुरू

संवाददाता

साहिबगंज: विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज में त्रिदिवसीय विद्यालयीय वार्षिक आचार्य कार्यशाला का शुभारंभ समिति की सचिव डॉ मृदुला सिन्हा और विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने सरस्वती माता ओंकार व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर पुष्प अर्पित किया।कार्यशाला के प्रथम सत्र में वंदना के पश्चात डॉ मृदुला सिन्हा ने कार्यशाला की प्रस्तावना को रखा।तत्पश्चात सभी पंजियों,संचिका एवं अभिलेखों को व्यवस्थित किया गया।द्वितीय सत्र में सभी अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन किया गया।सभी स्थायी भौतिक सामग्रियों का सत्यापन कर स्थाई वस्तु पंजी को अद्यतन किया गया।विभाग के कार्य की समीक्षा की गई । परिणाम बैठक पंजी में अंकित किया गया।तृतीय सत्र में वर्तमान सत्र की विस्तृत समीक्षा कर अपने सबल एवं निर्मल पक्षों पर विचार किया गया।प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा अरुण,उदय प्रभात पर चर्चा किया गया।चतुर्थ सत्र में आगामी सत्र हेतु आचार्य भारती का गठन किया गया।शून्य कालांश में प्रतिदिन के लिए निर्धारित विषयों की चर्चा की गई तथा सभी का अभ्यास किया गया।एकात्मता स्तोत्र में वर्णित महापुरुषों, देवियों पर चर्चा की गई।पंचम सत्र में प्रांतीय कार्य योजना एवं शैक्षिक पंचांग सत्र 2026-27 के विषयों की चर्चा एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया।अभिभावक गोष्ठी, अभिभावक संपर्क योजना बनाना,मातृ सम्मेलन,माता-पुत्री संवाद गोष्ठी,दादा-दादी नाना-नानी सम्मेलन,पूर्व अभिभावकों का सम्मेलन,पूर्व अभिभावकों का सम्मेलन आदि आयोजित करने हेतु तिथि माह निर्धारित किया गया।कार्यशाला में विद्यालय के आचार्य अमित कुमार अजय कुमार साह,अजीत कुमार मालवीय,राघव वत्स,संतोष कुमार दास,सोनू शर्मा,किरण कुमारी गुप्ता,अर्चना वर्मा,लिपिका राज सिंह,सारिका कुमारी,निर्मला कुमारी,सोनी कुमारी,टीनू पाण्डेय,स्नेहा भारद्वाज,क्रिस्टीना मुर्मू उपस्थित थे।

पहला खेलो इंडिया जनजातीय ट्राइवल गेम्स

छत्तीसगढ़ में जिले के 03 खिलाड़ी करेंगे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

एथलेटिक्स तकनीकी पदाधिकारी में योगेश यादव झारखंड कुश्ती टीम कोच प्रकाश सिंह बादल निभा रहे अपनी भूमिका

संवाददाता

साहिबगंजःखेल एवं युवा मामले ,भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 25 मार्च से 03 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ के तीन शहरों रायपुर, जगदलपुर एवं सरगुजा में आयोजित हो रहे प्रथम खेलो इंडिया जनजातिय ट्राइवल गेम्स के लिए खेल विभाग द्वारा जिले में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु एथलीट एमानुएल किस्कू का चयन 110 मीटर हर्डल्स एवं 4 गुणा 100 मीटर रिले तथा रायपुर में हो रहे प्रदर्शनी कबड्डी मैच में राहुल कुमार , प्रीति कुमारी कल से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।वहीं प्रशिक्षक योगेश यादव एथलेटिक्स स्पर्धा में नेशनल टेक्निकल ऑफिशियल तथा कुश्ती प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल झारखंड राज्य कुश्ती टीम कोच का दायित्व निभाएंगे। इस उपलब्धि पर उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आईटीडी. ए. निदेशक संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा,जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष,जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष राजेश यादव,सचिव माधव चंद्र घोष, कल्याण श्रीवास्तव,ओम ततसत,संतोष उर्फ टिंकू, खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी, जिला कबड्डी संघ के सचिव नवनीत उर्फ सोनू, बिरेंद्र कुमार,आदित्य कुमार,कोच अशोक साहनी,निमाई चौधरी समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

भाजपा के पूर्व लोकसभा सांसद सुनील सोरेन को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी

संवाददाता

दुमकाः भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व द्वारा दुमका के पूर्व लोकसभा सांसद सुनील सोरेन को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर दुमका जिला भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। सभी ने उन्हें इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि श्री सुनील सोरेन का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया जाना उनके लंबे राजनीतिक अनुभव,संगठन के प्रति समर्पण एवं जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। उनके नेतृत्व में संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा। निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद सहित प्रदेश परिषद सदस्य अमरेंद्र सिंह,परितोष सोरेन,सुरेश मुर्मू, निवास मंडल,सीताराम पाठक, अमिता रक्षित,अंजुला मुर्मू,शमीर्ला सोरेन,मनोज पांडेय,पवन केसरी, विवेकानंद राय,पिंटू अग्रवाल,बबलू मंडल,नगर अध्यक्ष मृणाल मिश्रा,धर्मेन्द्र सिंह,मार्शल ऋषिराज टुडू,पिंटू साह,गुंजन मरांडी,सोनी हेंब्रम,जीतलाल राय, नवल किस्कू,मनीष कुमार,गणपति पाल,सहदेव मरांडी,नंदकिशोर मंडल,गोपीनाथ दत्ता,दीप्तांशु कोचगवे,गोविंद दान,संतोष साह, दिनेश सिंह,ओम केसरी,ममता साह,नीतू झा,फारुख अनवर,श्रीधर दास,रमेश मुर्मू,कुश पाल, इंद्रजीत कुमार सहित अन्य कार्यकताओं ने भी उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि सुनील सोरेन के मार्गदर्शन में संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा आने वाले समय में भाजपा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

मालदा टाउन से आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

संवाददाता

साहिबगंजः मालदा डिवीजन अतर्गत आज से यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने मालदा टाउन से आनंद विहार टर्मिनल के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।ट्रेन संख्या 03435 मालदा टाउन आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल 31 मार्च 2026 को सुबह 09:50 बजे मालदा टाउन से रवाना होगी और अगले दिन 13:40 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 03436 आनंद विहार टर्मिनल मालदा टाउन स्पेशल 1 अप्रैल 2026 को 14:50 बजे आनंद विहार टर्मिनल से खुलेगी और अगले दिन 22:30 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार के अंतर्गत दोनों दिशाओं में न्यू फरक्का, बरहरवा, साहिबगंज, पीरपैंती, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर और अभयपुर स्टेशनों पर रुकेगी।ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास, स्लीपर क्लास एवं वातानुकूलित (एसी) श्रेणी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। ट्रेन संख्या 03435 के लिए आरक्षण पीआरएस काउंटर एवं इंटरनेट के माध्यम से किया जा सकता है।

आम लोगों से मिले प्रखंड अध्यक्ष राज्य सरकार की चल रही योजनाओं की दी जानकारी

संवाददाता

साहिबगंजःसदर प्रखंड के पंचायत हाजीपुर पूर्व स्थित बड़ी कोदरजन्ना सामुदायिक भवन में रविवार को पंचायत अध्यक्ष देवदत्त मंडल की अध्यक्षता में झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक की गई।बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह शामिल हुए।बैठक में अमरदीप सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की चल रही सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में भी मिले इसके लिए सभी कार्यकर्ता लोगों को जानकारी उपलब्ध कराएं।प्रखंड अध्यक्ष आम लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए एवं जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया।मौके पर शंभू कुमार,विजय बहादुर सिंह,भोला मंडल, श्रीकांत मंडल,बाल्मीकि यादव,विलास महालदार,अखिलेश कुमार,संतोष कुमार आदित्य कुमार निरंजन मंडल व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हजारीबाग रामनवमी जुलूस में साढ़े तीन सौ जख्मी, चार की मौत

संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग का प्रसिद्ध रामनवमी जुलूस शनिवार देर शाम से लगातार जारी है। जुलूस में 107 अखाड़ा शामिल है। हर जुलूस अपनी गति सीमा के हिसाब से आगे बढ़ रही है। जुलूस की निगरानी डीआईजी,डीसी,एसपी सहित जिले के अन्य अधिकारी कर रहे है। पुलिस अधिकारी सीसीटीवी के जरिए जमा मस्जिद के पास बनाए गए मंच से निगरानी कर रहे हैं। वहीं जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से भी निगरानी हर जुलूस को रख रहे हैं। उल्लेखनीय हो कि शनिवार देर शाम से निकली रामनवमी जुलूस के दौरान अब तक साढे तीन सौ लोगों के जख्मी होने की खबर है। कई जख्मी लोगों को रांची रिम्स रेफर किया गया है। जबकि चार की मौत भी हो चुकी है। इधर, बड़ी बाजार थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि अबतक लगभग साढे तीन सौ लोग घायल हो गये है। जबकि चार की मौत हो गयी है। इस संबंध में पुलिस दोषियों को चिन्हित करने में लगी हुई है। बताया यह भी जा रहा है कि आपस मे खेल का करतब दिखाने के दौरान उक्त घटनाएं हो रही है। वही जुलूस में खोया पाया का भी प्रशासन की ओर से स्टॉल लगाया गया है। जहां कई बच्चे अपने परिजन से बिछड़ गए थे जिन्हें प्रशासन की मदद से परिजनों से मिलवाया गया। जुलूस में करीब सवा लाख से ऊपर लोग आए हैं। वहीं सरकार और जिला प्रशासन के दावे इसबार भी फेल हो गए।बिजली मेंटनेंस के नाम पर करीब एक महीने से बिजली काटी जा रही थी कि रामनवमी पर बिजली कटे नहीं,लेकिन 12 घंटे से शहर की बिजली व्यवस्था ठप है। इसके कारण पानी की सप्लाई भी नही हो पाई है।

साल 2026 में रिलीज होगी 7 बड़ी फिल्में

वामिका बनीं मेकर्स की पहली पसंद

क्षय कुमार के साथ 'भूत-बंगला' से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका 'भूत-बंगला' के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह 'टिकी टाका' फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं।

फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी। इसके अलावा वामिका 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' और 'पति पत्नी और वो दो' में दिखने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। वामिका 'किकली' के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है।

'किकली' आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

26 साल छोटी हीरोइन संग अक्षय कुमार का रोमांस

एज गैप को लेकर जबरदस्त रिप्लाई

अक्षय कुमार ने फिल्म भूत बंगला में वामिका गब्बी के साथ एज गैप को लेकर उठे सवालों पर जवाब दिया है. उन्होंने खुलकर कहा कि यह कोई नया नहीं है. जानिए वामिका के लिए क्या कह गये अक्षय कुमार? फिल्मों में हीरो-हिरोइन की उम्र का फर्क हमेशा से चर्चा का विषय रहा है. कई बार बड़े स्टार्स को इसके लिए ट्रोल भी किया जाता है. अब इसी मुद्दे पर अक्षय कुमार ने खुलकर अपनी राय रखी है. अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म भूत बंगला में वामिका गब्बी के साथ नजर आने वाले हैं. दोनों के बीच करीब 26 साल का एज गैप है, जिसको लेकर सवाल उठने लगे.

अक्षय कुमार ने दिया जवाब

इस पर अक्षय कुमार ने कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है. उन्होंने कहा, 'ऐसा पहले भी होता आया है, सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं हॉलीवुड में भी. कई बार ये कहानी की जरूरत होती है और असल जिंदगी में भी लोग अपने से बड़े या छोटे पार्टनर से शादी करते हैं. '

डायरेक्टर का भी आया रिएक्शन

फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि असली उम्र और स्क्रीन पर दिखने वाली उम्र अलग होती है और दर्शक एक्टर को उसी हिसाब से स्वीकार करते हैं. इस दौरान अक्षय कुमार ने वामिका गब्बी की जमकर तारीफ की. उन्होंने बताया कि वामिका अपने काम को लेकर काफी सीरियस हैं और लगातार रिहर्सल करती रहती हैं. अक्षय ने यह भी कहा कि वह नए कलाकारों के साथ काम करते हुए उनसे काफी कुछ सीखते और ऑब्जर्व करते हैं.

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में रवि किशन बोले

भोजपुरी सिनेमा और साहित्य का गहरा संबंध

प्रगति मैदान स्थित भारतमंडपम में 25 मार्च से शुरू हुए इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सितारों की रौनक ने दिल्ली को जगमगा दिया है। ऐसा पहली बार है जब दिल्ली में इतनी संख्या में बड़े सितारों का मेला लगा है। समारोह में आमिर खान, कंगना रनौत, कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा, भाजपा सांसद और भोजपुरी एक्टर रवि किशन के अलावा दक्षिण भारतीय सितारों को भी देखा गया। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे रवि किशन ने कहा, यह एक शानदार कदम है। मुझे इस मंडपम को देखने का मौका मिला। नरेंद्र मोदी ने एक विशाल ढांचा तैयार किया है जो दर्शाता है कि हम इस नए भारत में बहुत मजबूत हैं। इस फेस्टिवल से हमारे भारतीय फिल्म निर्माताओं को बहुत प्रोत्साहन मिला है कि उन्हें भी अपने भारत में फिल्म समारोह आयोजित करने, बातचीत करने और मीडिया से संपर्क करने का मौका मिला है।' अभिनेता ने ये भी बताया कि उनकी भोजपुरी फिल्म 'महादेव का गोरखपुर' की भी आज स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई है। इसके अलावा आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज 'मामला लीगल है-2' को लेकर भी चर्चा होगी। रवि किशन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल पर अपने करियर और निजी जिंदगी से जुड़े राज भी खोलेंगे और सीरीज के प्रमोशन के साथ क्षेत्रीय सिनेमा के विकास पर भी बात होगी। फिल्म फेस्टिवल के लिए रवि किशन ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को धन्यवाद दिया। उनका कहना है कि उस कदम से भारतीय सिनेमा और कल्चर को बल मिलेगा और दिल्ली ही नहीं, बाकि सभी राज्यों में सिनेमा के विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। भोजपुरी सिनेमा पर बात करते हुए अभिनेता ने आगे कहा, 'भोजपुरी फिल्म उद्योग का साहित्य से गहरा संबंध है। 1962 में हमारे अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चाहते थे कि भोजपुरी में फिल्में बनें। इसलिए, नजीर हुसैन ने एक फिल्म बनाई और फिल्म बनाने की बात हवाई जहाज में हुई थी। फिल्म का नाम था 'हे गंगा मैया तोहे पियरी चढ़ाइबो'। यहीं से इसकी शुरुआत हुई और फिर फिल्म उद्योग आगे बढ़ा। फिर 90 के दशक में यह उद्योग ठप हो गया। अभिनेता ने आगे बताया कि वे भोजपुरी में 400 से ज्यादा फिल्में कर चुके हैं और अभी हिंदी सिनेमा में काम करने में व्यस्त हैं लेकिन अगर उन्हें भोजपुरी से अच्छी फिल्म का ऑफर आता है तो वे जरूर करेंगे।

सौम्या ने शुरू की घुड़सवारी की ट्रेनिंग

अभिनेत्री सौम्या टंडन इन दिनों स्पाई एक्शन फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच, अभिनेत्री ने अपने नए शौक का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने उसकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें घुड़सवारी का काफी शौक था, जिसकी उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। फिल्म की सफलता के बाद सौम्या अब अपनी नई रुचि पर फोकस कर रही हैं। घुड़सवारी उनके लिए न सिर्फ नया शौक है बल्कि एक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है। सौम्या ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घोड़ों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में वे घुड़सवारी सीखते हुए भी दिख रही हैं। सौम्या ने लिखा, 'पहला दिन और पहली घुड़सवारी की क्लास। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें बचपन से ही घोड़े बहुत पसंद रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'घोड़े बहुत सुंदर और नाजुक जानवर होते हैं। मैं हमेशा उनसे आकर्षित रही हूं। मैं बचपन में एक बड़े फार्म का सपना देखती थी, जहां खूबसूरत घोड़े और कुत्ते हों। मैं खुद उन घोड़ों पर सवारी करते हुए खुद को देखती थी। सौम्या ने लिखा, 'पहला दिन थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन मैंने घुड़सवारी सीखना शुरू कर दिया है, तो पहला दिन काफी खतरनाक और थकाऊ था। मेरी पीठ में दर्द हो रहा है, लेकिन इस क्लास में मुझे एक नया दोस्त मिल गया। वह दोस्त है एक सुंदर सफेद घोड़ा, जिसका नाम 'बादशाह' है। सौम्या ने मजाकिया अंदाज में बताते हुए लिखा, 'मैंने बादशाह से बहुत बातें कीं। सच कहूं तो वह बहुत अच्छा सुनने वाला था या शायद उसके पास और कोई चारा नहीं था, लेकिन उसने मेरी सारी बातें ध्यान से सुनीं। मुझे लगता है कि हमारे बीच एक खास कनेक्शन बन गया है। हम अच्छे दोस्त बन गए हैं। अंत में सौम्या ने लिखा, 'फिर मिलेंगे बादशाह, जल्दी ही। उम्मीद है एक दिन हम साथ में घोड़ी चलाएंगे और तेज दौड़ लगाएंगे। '

पीएसएल में बॉल टेम्परिंग विवादः फखर जमान ने आरोपों से किया इनकार, 48 घंटे में आएगा फैसला

एजेंसी

लाहौर : पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान कथित बॉल टेम्परिंग मामले ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। लाहौर के स्टार बल्लेबाज फखर जमान पर कराची की पारी के अंतिम ओवर से पहले गेंद की स्थिति बदलने का आरोप लगा है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में फखर जमान अपने साथियों हैरिस रऊफ और कप्तान शाहिद अफरीदी के साथ चर्चा करते नजर आए। इसी दौरान ऑन-फील्ड अंपायर फैसल अफरीदी को कुछ संदेह हुआ और उन्होंने हस्तक्षेप किया। अंपायर ने गेंद की जांच के बाद पाया कि उसकी स्थिति से छेड़छाड़ की गई है। इसके चलते कराची किंग्स को पांच रन का पेनल्टी दिया गया और अंतिम ओवर के लिए नई गेंद उपलब्ध कराई गई। इस फैसले ने मैच का रुख बदल दिया। मैच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बयान जारी कर बताया कि फखर जमान पर लेवल-3 का आरोप लगाया गया है। यह आरोप खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के आचार संहिता के अनुच्छेद 2.14 के तहत है, जिसमें गेंद की स्थिति बदलना अपराध माना जाता है। मैच रेफरी रोशन महानामा की अगुवाई में हुई सुनवाई में फखर जमान ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया। बोर्ड के अनुसार, अगले 48 घंटे में एक और सुनवाई होगी, जिसके बाद अंतिम फैसला सुनाया जाएगा। मैच में अंपायरों द्वारा पांच रन की पेनल्टी दिए जाने के बाद कराची किंग्स को आखिरी ओवर में 9 रन की जरूरत थी, जिसे टीम ने सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। ऑलराउंडर अब्बास अफरीदी ने रऊफ की गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

एआई चैटबॉट बना रहे थे

सोनाक्षी का अश्लील कंटेंट

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लगाया बैन दिल्ली उच्च न्यायालय ने अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करते हुए एआई चैटबॉट सहित कई मंचों को उनकी तस्वीर, आवाज और पहचान के अनधिकृत उपयोग से रोक दिया है। यह अंतरिम आदेश अभिनेत्री की प्रतिष्ठा का व्यावसायिक लाभ उठाने और उनकी नकल कर आपत्तिजनक सामग्री बनाने के आरोपों के बाद आया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करते हुए एआई चैटबॉट सहित कई मंचों को उनकी तस्वीर, आवाज या व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य पहचान के अनधिकृत उपयोग से रोक दिया है।

मियामी ओपन 2026: यानिक सिनर ने जीरी लेहेका को हराकर जीता खिताब, रचा ह्यसनशाइन डबल का इतिहास

एजेंसी

मियामी : मियामी ओपन के बारिश से प्रभावित फाइनल में इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार रात चेक गणराज्य के जीरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ सिनर बिना एक भी सेट गंवाए ह्यसनशाइन डबलह्ल पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

विश्व नंबर दो सिनर ने मुकाबले में अपने पहले सर्विस पर 92 प्रतिशत अंक जीते और पूरे मैच के दौरान मिले तीनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इस जीत के साथ उन्होंने मास्टर्स 1000 मुकाबलों में बिना सेट गंवाए अपनी जीत की श्रृंखला को 17 तक पहुंचा दिया। मुकाबले के बाद सिनर ने कहा, ह्लहमने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत की है, इसलिए मैं बेहद खुश हूं। अब घर लौटने को लेकर भी उत्साहित हूं। पहली बार

सनशाइन डबल हासिल करना मेरे लिए अविश्वसनीय है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह संभव हो पाएगा। बारिश के कारण मुकाबला लगभग 90 मिनट देर से शुरू हुआ। इसके बावजूद सिनर ने शानदार शुरूआत करते हुए पहले सेट में जल्दी 3-1 की बढ़त बनाई और मजबूत सर्विस के दम पर सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरूआत में फिर बारिश के चलते खेल रोकना पड़ा, लेकिन वापसी के बाद सिनर ने अपना दबदबा कायम रखा। लेहेका, जो अपने करियर का पहला मास्टर्स 1000 फाइनल खेल रहे थे, ने दूसरे सेट में कड़ा मुकाबला दिया।

फिडे कैंडिडेट्स 2026: पहले दौर में आर. प्रज्ञानानंद की शानदार जीत, दिव्या और वैशाली ने खेल बराबरी पर छोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली : फिडे कैंडिडेट्स 2026 के पहले दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को उच्च वरीयता प्राप्त अनीश गिरी को पराजित कर अपने अभियान की शानदार शुरूआत की। प्रज्ञानानंद ने मुकाबले को अंतिम चरण तक खींचते हुए गिरी पर लगातार दबाव बनाए रखा। लगभग 40 चालों के बाद भारतीय खिलाड़ी ने एक प्यादा बढ़त के साथ निर्णायक बढ़त बना ली, जिससे गिरी की वापसी की संभावना समाप्त हो गई। दिन के सबसे चर्चित मुकाबले में अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने हमवतन हिकारू नाकामुरा को रोमांचक और लंबे मुकाबले में मात दी। यह पहला दौर का सबसे लंबा खेल रहा। अन्य मुकाबलों में उज्बेकिस्तान के जवोखिर सिंदारोव ने रूस के आंद्रेई एसिपेंको को हराया, जबकि जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम और चीन के वेई यी के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। महिला वर्ग में भारत की युवा ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने शुरूआती चरण में आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन यूक्रेन की अन्ना मुज़िचुक ने संयम बनाए रखते हुए मुकाबले को बराबरी पर समाप्त किया। उन्होंने समय रहते मोहरों की अदला-बदली कर स्थिति को संतुलित कर दिया। एक अन्य मुकाबले में आर. वैशाली ने कजाखस्तान की बिबीसारा असाउबायेवा के खिलाफ सतर्क रणनीति अपनाते हुए मुकाबला बराबरी पर छोड़ा। मध्य चरण में वैशाली दबाव में दिखीं और समय भी कम था, लेकिन उन्होंने अंतिम क्षणों में सटीक चाल चलकर खेल को अतिरिक्त समय तक पहुंचाया और अंततः परिणाम बराबरी रहा। चीन की झू जिनर और तान झोंगयी के बीच मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा और अंत में बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं कैटरीना लाग्नो और अलेक्जेंड्रा गोरियाच्किना के बीच भी मुकाबला अनिर्णीत रहा।

परिणाम (पहला दौर): ओपन वर्गः जवोखिर सिंदारोव ने आंद्रेई एसिपेंको को हराया; मैथियास ब्लूबाम और वेई यी के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा; आर. प्रज्ञानानंद ने अनीश गिरी को पराजित किया; फैबियानो कारुआना ने हिकारू नाकामुरा को हराया। महिला वर्गः दिव्या देशमुख और अन्ना मुज़िचुक के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा; आर. वैशाली और बिबीसारा असाउबायेवा के बीच खेल अनिर्णीत रहा; अलेक्जेंड्रा गोरियाच्किना और कैटरीना लाग्नो का मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ; झू जिनर और तान झोंगयी के बीच भी खेल बराबरी पर रहा।

बिहार की राजनीति के शिखर पुरुष नीतीश का सफरनामा

एजेंसी

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। नीतीश कुमार पहली बार 2006 में विधान परिषद के सदस्य बने थे। उसके बाद 2012, 2018 और 2024 में लगातार चौथी बार उन्होंने विधान परिषद की सदस्यता ली । विधान परिषद की सदस्यता छह वर्ष के लिए होती है। उनके टर्म इस प्रकार रहे- 2006-2012, 2012-2018, 2018-2024 और 2024 से अब तक।साल 2005 के नवंबर में पहली बार बिहार की सत्ता संभालने के बाद नीतीश कुमार ने हमेशा विधान परिषद के रास्ते मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने कभी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा। 1985 में हरनौत से

विधायक चुने जाने के बाद वे लोकसभा सदस्य भी रहे और केंद्र में मंत्री पद भी संभाला। लेकिन बिहार में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने विधानसभा की बजाय विधान परिषद की सदस्यता को प्राथमिकता दी। राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद नीतीश कुमार अब चारों सदनों के सदस्य बन जाएंगे। उन्होंने पहले विधानसभा (विधायक), फिर लोकसभा (सांसद), उसके बाद विधान परिषद और अब राज्यसभा की सदस्यता हासिल कर ली है। यह उनके राजनीतिक करियर में एक अनोखा उपलब्धि मानी जा रही है। विधान परिषद की सदस्यता छोड़ने के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद भी छोड़ना होगा। हालांकि संवैधानिक प्रावधान के अनुसार वे छह महीने तक बिना विधान परिषद या विधानसभा की सदस्यता के मुख्यमंत्री पद पर बने रह सकते हैं. इस दौरान उन्हें या तो विधानसभा चुनाव लड़कर सदस्यता हासिल करनी होगी या फिर कोई अन्य रास्ता अपनाना होगा। साल 1985 से शुरू हुए नीतीश कुमार के राजनीतिक सफर में राज्यसभा जाना एक नया अध्याय जुड़ गया है। 10 अप्रैल को राज्यसभा की सदस्यता लेने के साथ ही उनके राजनीतिक जीवन का यह नया चरण शुरू होगा।

नीतीश का विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया । नीतीश कुमार ने यह कदम राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद उठाया। विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने बताया कि नीतीश कुमार ने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वे विकासशील मुख्यमंत्री हैं। अब केंद्र जा रहे है। उनके नेतृत्व में बिहार ने विकास को देखा है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार कार्य किया जा रहा है। उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है।

प्रधानमंत्री ने श्यामजी कृष्ण वर्मा को किया नमन

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को महान स्वतंत्रता सेनानी श्यामजी कृष्ण वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि श्यामजी कृष्ण वर्मा ने अपने क्रांतिकारी विचारों से स्वतंत्रता आंदोलन में नई चेतना का संचार किया और उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत माता के इस वीर सपूत को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन। उनके विचार और आदर्श स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सदैव अमिट रहेंगे। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में श्यामजी कृष्ण वर्मा के जीवन को साहस और दृढ़ संकल्प की अद्भुत प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन देशवासियों में राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन की भावना भी जागृत करता है। प्रधानमंत्री ने एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया, विचित्रचरितोल्लेखचमत्कारितचेतनम्। प्राप्यते किं यशः शुभ्रमनङ्गीकृत्य साहसम्॥ इसका अर्थ है कि जो व्यक्ति साहस नहीं दिखाता, जोखिम नहीं उठाता और असाधारण कार्य करने का प्रयास नहीं करता, वह कभी भी ऐसा यश नहीं कमा सकता जो लोगों के मन को प्रभावित करे।

न्यूज IN ब्रीफ

अंबिकापुर से आज से राजधानी दिल्ली के लिए नियमित विमान सेवा की शुरूआत

अंबिकापुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट (दरिमा) से राजधानी दिल्ली के लिए नियमित विमान सेवा की शुरूआत आज होने जा रही है। इसके अतिरिक्त, 2 अप्रैल 2026 से अंबिकापुर से कोलकाता के लिए भी नई विमान सेवा शुरू होने वाली है, जो सप्ताह में दो दिन (गुरुवार और शनिवार) उपलब्ध रहेगी। इस सेवा का उद्घाटन आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर करेंगे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद चिंतामणि महाराज भी मौजूद रहेंगे और वे उद्घाटन के बाद पहली उड़ान से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।यह फ्लाइट सप्ताह में दो दिन, सोमवार और बुधवार को संचालित होगी।अंबिकापुर (दरिमा) एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए शुरू होने वाली विमान सेवा की जानकारी मुख्य रूप से सांसद चिंतामणि महाराज और एलायंस एयर के आधिकारिक शेड्यूल के माध्यम से दी गई है।सरगुजा जिला प्रशासन और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के स्थानीय अधिकारी इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। विमान सेवा के संचालन की पुष्टि एलायंस एयर ने अपना विंटर शेड्यूल जारी करके और अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर टिकटों की बुकिंग शुरू करके की है। विमान सेवा एलायंस एयर द्वारा संचालित की जाएगी, जिसमें 72 सीटों वाला एटीआर विमान इस्तेमाल होगा। यात्रियों के लिए यह सुविधा सप्ताह में चार दिन उपलब्ध रहेगी। दिल्ली तक का किराया लगभग 6 से 7 हजार रुपये रखा गया है और टिकट बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। पहली उड़ान 30 मार्च को दोपहर 12 बजे अंबिकापुर से रवाना होकर करीब 2:30 बजे दिल्ली पहुंचेगी। फ्लाइट शेड्यूल के अनुसार, दिल्ली रूट पर सोमवार को दिल्ली से बिलासपुर होते हुए अंबिकापुर और वापसी में अंबिकापुर से दिल्ली उड़ान होगी, जबकि बुधवार को दिल्ली से सीधी अंबिकापुर और वापसी में बिलासपुर होते हुए दिल्ली सेवा रहेगी। वहीं, कोलकाता रूट पर गुरुवार को कोलकाता से सीधी अंबिकापुर और वापसी में बिलासपुर होते हुए कोलकाता उड़ान होगी, जबकि शनिवार को कोलकाता से बिलासपुर होते हुए अंबिकापुर और वापसी में सीधे कोलकाता सेवा उपलब्ध रहेगी। इस नई विमान सेवा से सरगुजा क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

राजस्थान में बदला मौसम: चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट, आंधी-बारिश के आसार

जयपुर। राजस्थान में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 21 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई इलाकों में आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यह सिस्टम 31 मार्च तक सक्रिय रहेगा, जिसके कारण प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। हालांकि एक अप्रैल से इस सिस्टम का असर खत्म होने के साथ ही मौसम शुष्क (ड्राय) होने की संभावना है।
रविवार को इस सिस्टम का असर अपेक्षाकृत कमजोर रहा। बीकानेर संभाग में दिनभर मौसम शुष्क रहा और तेज धूप देखने को मिली। वहीं जालोर, सिरोही और पाली जिलों में आंशिक बादल छाए रहे। जयपुर, भरतपुर, कोटा और अजमेर संभाग में आसमान साफ रहा और दिनभर धूप खिली रही। मौसम विभाग के अनुसार इसका मुख्य कारण वातावरण में नमी (आर्द्रता) की कमी रहा। रविवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान कोटा में 39.3 डिग्री सेल्सियस मापा गया, जो सामान्य से अधिक रहा। इसके अलावा चूरू में 37.6, पिलानी (झुंझुनूं) और अलवर में 37.2, बाड़मेर में 37, सीकर में 36, जैसलमेर में 35.8, जोधपुर में 35.3, श्रीगंगानगर में 34.5 और बीकानेर में 34.4 डिग्री सेल्सियस तापमान मापा गया। मौसम विभाग ने अलर्ट वाले जिलों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विशेषकर आंधी और अचानक बदलते मौसम को देखते हुए किसानों और आमजन को सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम में यह बदलाव जहां एक ओर गर्मी से राहत दिला सकता है, वहीं तेज हवाओं और बारिश के कारण जनजीवन भी प्रभावित हो सकता है।

एकादशी पर दुर्गा खोह में सजा भक्ति का दरबार, जागरण में झूमे श्रद्धालु

मीरजापुर। एकादशी के पावन अवसर पर चुनार क्षेत्र के दुर्गा खोह स्थित मां दुर्गा मंदिर में रविवार की रात भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर में मां दुर्गा का भव्य श्रृंगार किया गया, जिसमें फूलों और आकर्षक सजावट से देवी का स्वरूप बेहद मनोहारी नजर आया। दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु देर रात तक मंदिर परिसर में जुटे रहे। श्रृंगार के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं की सेवा और व्यवस्था के लिए स्थानीय समिति के लोग सक्रिय रूप से जुटे रहे। इसके बाद आयोजित देवी जागरण में वाराणसी की प्रसिद्ध कलाकार पिंकी मिश्रा और उनकी टीम ने एक से बढ़कर एक देवी गीत प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। ह्लजय अम्बे गौरीह्व और अन्य भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए। कलाकारों की प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी एकादशी पर यह आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से पैदल जा रहे व्यक्ति की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जनपद के कोतवाली क्षेत्र में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना जनेतपुर नेशनल हाईवे किनारे स्थित एक ढाबा के सामने हुई, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने पैदल जा रहे व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी।जानकारी के अनुसार, पुलिस को घटना की सूचना रात करीब 9 बजे मिली। जांच में मृतक की पहचान नारायणपुर निवासी इसरार उर्फ डेनी (लगभग 50 वर्ष), पुत्र मो. साफी के रूप में हुई है। बताया गया कि इसरार हाईवे किनारे बाजार में बड़ी गाड़ियों में ग्रीसिंग का कार्य करते थे और हादसे के समय पैदल जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इटावा से कानपुर की ओर जा रही एक अज्ञात मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि इसरार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घायल को आनन-फानन में उपचार के लिए 50 शैय्या अस्पताल, औरैया ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए, जिससे माहौल गमगीन हो गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। इस संबंध में औरैया कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी बाइक चालक की पहचान के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव 26 : कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर खड़गपुर में विरोध

खड़गपुर : खड़गपुर सदर विधानसभा क्षेत्र के लिए कांग्रेस द्वारा प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष सामने आया है। घोषित उम्मीदवार पापिया चक्रवर्ती के नाम की घोषणा के बाद रविवार रात गोलबाजार स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने पार्टी के कुछ कार्यकताओं और समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पहले किसी अन्य व्यक्ति को उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा थी, लेकिन अंतिम सूची में पापिया चक्रवर्ती का नाम घोषित होने के बाद कार्यकताओं में नाराजगी फैल गई। इसके विरोध में कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय के सामने एकत्र हुए और पार्टी नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उम्मीदवार चयन में जमीनी स्तर के कार्यकताओं की राय को नजरअंदाज किया गया है। जिला युवा कांग्रेस के सचिव छोटन सेन ने कहा कि खड़गपुर सदर से घोषित उम्मीदवार का संबंध पहले आरएसएस और भाजपा से रहा है तथा वे अभी भी उनके संपर्क में हैं। वहीं खड़गपुर कांग्रेस के युवा नेता अमित शर्मा ने कहा कि खड़गपुर सदर से जिस उम्मीदवार की घोषणा की गई है, उसे खड़गपुर शहर युवा कांग्रेस स्वीकार नहीं करती। पार्टी को ऐसे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाना चाहिए जो लंबे समय से कांग्रेस की विचारधारा और संगठन से जुड़ा रहा हो। यदि पार्टी नेतृत्व इस निर्णय पर पुनर्विचार नहीं करता है, तो शहर के सभी 35 वार्डों में आंदोलन तेज किया जाएगा। इस पूरे मामले पर सोमवार सुबह कांग्रेस प्रत्याशी पापिया चक्रवर्ती ने फोन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हर राजनीतिक दल में थोड़ा-बहुत विरोध होता है और दो-चार लोगों के विरोध से कोई खास समस्या नहीं आएगी।

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से अब तक 63 लाख से अधिक नाम हटे, 20 लाख नाम अभी भी विचाराधीन

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटने का मामला सामने आया है। राज्य में लगभग 60 लाख विचाराधीन मतदाताओं में से रविवार रात तक 42 लाख मामलों का निपटारा कर लिया गया है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार अब तक करीब 18 लाख नाम सूची से हटाए जा चुके हैं, जबकि लगभग 20 लाख मतदाताओं के नाम अभी भी विचाराधीन हैं। आयोग ने बताया है कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि से पहले इन सभी मामलों का निपटारा कर लिया जाएगा। राज्य में पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि छह अप्रैल निर्धारित है। इसी बीच चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की चौथी अतिरिक्त मतदाता सूची भी जारी कर दी है (अंतिम सूची सहित कुल पांच सूची)। इस अतिरिक्त सूची में लगभग दो लाख मतदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विचाराधीन मतदाताओं में से कुल

कितने नाम अंतिम रूप से हटाए गए हैं। आयोग के सूत्रों का कहना है कि विचाराधीन सूची के 40 से 45 प्रतिशत नाम हटाए गए हैं।

आयोग के आंकड़ों के अनुसार एसआईआर की प्रारूप और अंतिम सूची को मिलाकर अब तक कुल 63 लाख 66 हजार 952 मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं। पहली अतिरिक्त सूची से ही करीब 12 लाख नाम हटे थे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर विचाराधीन मतदाताओं के मामलों का निपटारा न्यायाधीशों की निगरानी में किया जा रहा है। इस कार्य के लिए अन्य राज्यों से भी न्यायिक अधिकारियों को बुलाया गया है। 28 फरवरी को जारी अंतिम मतदाता सूची के समय 60 लाख 6 हजार 675 मतदाता विचाराधीन थे। इन मामलों के निपटारे के लिए कुल 705 न्यायाधीश लगाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार आयोग चरणबद्ध तरीके से संशोधित सूचियां जारी कर रहा है। इसी क्रम में 23 मार्च को पहली अतिरिक्त सूची जारी की गई थी, हालांकि उसमें कितने मामलों का निपटारा हुआ और कितने नए मतदाता जुड़े, इसकी जानकारी आयोग ने सार्वजनिक नहीं की। आंकड़ों के अनुसार एसआईआर शुरू होने से पहले राज्य में कुल सात करोड़ 66 लाख 37 हजार 529 मतदाता थे। प्रारूप सूची में 58 लाख 20 हजार 899 नाम हटाए गए थे, जिसके बाद सूची में सात करोड़ आठ लाख 16 हजार 630 मतदाता बचे थे।

योगी के सुशासन मॉडल और हिन्दुत्व छवि ने बदले सियासी समीकरण

एजेंसी

लखनऊ : अयोध्या स्थित तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने एक बयान में देश की राजनीति, नेतृत्व और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समय बड़ा बलवान होता है और देश के इतिहास से लेकर वर्तमान तक की घटनाओं को इसी संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। सोशल मीडिया फेसबुक पर जारी वीडियो में उन्होंने 2002 गोधरा कांड का जिक्र करते हुए कहा कि उस घटना ने देश की राजनीति को प्रभावित किया। उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री रहे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को लेकर उन्होंने कहा कि उनकी कार्यशैली से देशभर में उनकी लोकप्रियता बढ़ी और बाद में वे प्रधानमंत्री बने। परमहंस आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी से लोगों को कई बड़ी अपेक्षाएं थीं, जिनमें जनसंख्या नियंत्रण कानून और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दे शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने विकास के क्षेत्र में कई कार्य किए। जैसे सड़क, बिजली, पानी, शौचालय,

अस्पताल और शिक्षण संस्थानों का विस्तार, लेकिन कुछ अपेक्षाएं अब भी अधूरी मानी जाती हैं। अपने बयान में उन्होंने हाल की नीतियों, विशेष रूप से यूजीसी की नई नियमावली को लेकर भी असंतोष जताया और कहा कि इससे कुछ समर्थकों में निराशा की भावना पैदा हुई है।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है और समर्थक उन्हें सख्त प्रशासन और कानून-व्यवस्था से जोड़कर देखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों में यह धारणा है कि भविष्य में वे राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका में आ सकते हैं। अपने बयान में परमहंस आचार्य ने पारंपरिक भारतीय शिक्षा और संस्कृति को बढ़ावा देने की बात करते हुए कहा कि गुरुकुल व्यवस्था, गोवंश संरक्षण तथा हर गांव में गौशाला, व्यायामशाला, यज्ञशाला और गुरुकुल पद्धति की पाठशालाओं की स्थापना जैसे विषयों पर काम होना चाहिए। इसके साथ ही धार्मिक और सामाजिक मुद्दों का जिक्र करते हुए उन्होंने हिंदू राष्ट्र की अवधारणा पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने दावा किया कि समाज के एक वर्ग में यह विश्वास है कि भविष्य में देश इस दिशा में आगे बढ़ सकता है और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के जरिए भारत को मजबूत किया जा सकता है। हालांकि, भारत का वर्तमान संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है और किसी भी संवैधानिक परिवर्तन के लिए निर्धारित प्रक्रिया और व्यापक सहमति आवश्यक होती है।

हिमाचल विधानसभा में आज पारित होगा वित्त वर्ष 2026-27 का बजट

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की 10वीं बैठक सोमवार को दोपहर 2 बजे होगी। इसमें वित्त वर्ष 2026झ27 का 54,928 करोड़ रुपये का बजट पारित किया जाना सबसे अहम कार्य रहेगा। रविवार के अवकाश के बाद शुरू हो रही इस बैठक में प्रश्नकाल के अलावा कटौती प्रस्तावों पर चर्चा और अन्य जरूरी विधायी काम भी निपटाए जाएंगे। यह बजट बीते 21 मार्च को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन में पेश किया था। यह बजट पिछले वर्ष के मुकाबले करीब 3 हजार करोड़ रुपये कम है। राज्य की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरकार ने इस बार कई सख्त फैसले

भी लिए हैं, जिनमें मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन का 50 फीसदी से लेकर 3 फीसदी तक छह महीने के लिए स्थगन शामिल है। बजट अनुमानों के अनुसार राज्य के हर 100 रुपये में से करीब 20 रुपये ही विकास कार्यों पर खर्च किए जाएंगे, जबकि बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और अन्य देनदारियों में जाएगा। इसके बावजूद सरकार ने कुछ वर्गों को राहत देने की भी कोशिश की है। दिहाड़ी मजदूरों की मजदूरी में 25 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। नेशनल हेल्थ मिशन के कर्मचारियों के वेतन में अधिकतम 20 हजार रुपये तक बढ़ोतरी का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आंगनबाड़ी कार्यकताओं और आशा वर्करों के मानदेय में भी वृद्धि की घोषणा की गई है।

सरकार ने इस बजट में 11 नई योजनाओं का भी एलान किया है। बजट पारित होने के बाद इन योजनाओं को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी और विभागों को जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, जिससे घोषणाओं को जमीन पर उतारा जा सके। सोमवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान कई अहम मुद्दे भी उठेंगे। विधायक भुवनेश्वर गौड़ के सवाल पर मुख्यमंत्री ब्यास नदी में ड्रेजिंग से जुड़े मामले पर जवाब देंगे। इसके अलावा प्रदेश में चल रहे नशा निवारण केंद्रों और राज्य चयन आयोग के परीक्षा केंद्रों से जुड़े प्रश्न भी चर्चा में रहेंगे।

नेपाल में सभी बेटिंग ऐप और वेबसाइट को 24 घंटे के भीतर बंद करने का निर्देश

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल सरकार ने सभी प्रकार के सट्टेबाजी (बेटिंग) ऐप और वेबसाइटों को बंद करने का निर्देश दिया है। मंत्रिपरिषद की सुशासन सुधार संबंधी 100 कार्यसूची के तहत संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 24 घंटे के भीतर ऐसे प्लेटफॉर्म बंद करने के लिए सभी इंटरनेट सेवा प्रदायक कंपनियों को निर्देश दिया है। संचार मंत्रालय के मंत्रिस्तरीय निर्णय के बाद नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण ने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के साथ समन्वय कर अब तक पहचाने गए सभी सट्टेबाजी साइट और ऐप बंद करा दिए हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता उदय बहादुर रानामगर के अनुसार, वर्तमान कानून और अपराध अधिनियम के खिलाफ सट्टेबाजी करना, करवाना या इसे बढ़ावा देने के लिए विज्ञापन करना गैरकानूनी है। कानूनी प्रावधान के अनुसार सट्टेबाजी में शामिल व्यक्तियों की संपत्ति जब्त की जा सकती है और उन्हें एक वर्ष तक की कैद तथा 10 हजार रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। मंत्रालय ने सभी से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से सट्टेबाजी ऐप और वेबसाइट का उपयोग न करे। यदि कहीं इस तरह की गतिविधि हो रही हो, तो नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के उपनिदेशक सूर्यप्रसाद लामिछाने से संपर्क कर इसकी जानकारी देने का अनुरोध भी किया गया है।

सराफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,48,060 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,35,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज शुरूआती कारोबार कै दौरान दिल्ली सराफा बाजार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना

1,48,210 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,48,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,48,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,48,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,48,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,48,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,35,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,48,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,48,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,35,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में रिकवरी का रुख, बड़ी गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में सुधार

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट के बाद निचले स्तर से रिकवरी करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी जोरदार कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और गिरावट आ गई। हालांकि थोड़ी ही देर बाद

खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी का सपोर्ट मिलने के बावजूद दोनों सूचकांक शुरूआती कारोबार में लगातार लाल निशान में ही बने हुए थे। सुबह 10 का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, कोल इंडिया, ओएनजीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर चार प्रतिशत से लेकर 0.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा, मैक्स हेल्थकेयर, बजाज फिनसर्व और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शेयर 3.06 प्रतिशत से लेकर 1.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,816 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 796 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,020 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सात शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 23 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान में और 40 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 1,018 अंक की कमजोरी के साथ 72,565.22 अंक के स्तर पर खुला।

विधायक सुखराम उरांव के प्रयास से चक्रधरपुर के वार्ड 3 और 7 में दूर हुआ पेयजल संकट, पाइपलाइन के जरिए जलापूर्ति शुरू

विनय मिश्रा

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर नगर परिषद क्षेत्र के भगत सिंह चौक के दोनों छोर पर स्थित वार्ड नंबर 3 और वार्ड नंबर 7 के निवासियों के लिए रविवार का दिन राहत भरा रहा। लंबे समय से पेयजल की किल्लत झेल रहे इन क्षेत्रों में विधायक सुखराम उरांव के विशेष सहयोग से बोरिंग कराई गई और पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूर्ण होने के बाद जलापूर्ति विधिवत रूप से शुरू कर दी गई। रविवार को मोटर पंप में विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित होने के बाद नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव एवं नगर उपाध्यक्ष विजय कुमार साव की उपस्थिति में जलापूर्ति का शुभारंभ किया गया। नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव ने पारंपरिक रूप से नारियल फोड़कर उद्घाटन किया, जिसके बाद बटन दबाकर मोहल्ले के घरों में पाइपलाइन के माध्यम से पानी की सप्लाई चालू की गई। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि वार्ड नंबर 3 और 7 के लोग काफी समय से पानी की समस्या से जूझ रहे थे। विधायक सुखराम उरांव के संज्ञान में यह बात आने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए बोरिंग कराई गई और अब पाइपलाइन के माध्यम से हर घर को जोड़ा गया है, ताकि किसी भी परिवार को पानी के लिए दूर न जाना पड़े। उद्घाटन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। घरों में पानी पहुँचते ही मोहल्ले वासियों ने खुशी जाहिर की और विधायक सुखराम उरांव सहित नगर परिषद के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।?इस मौके पर नगर परिषद के सदस्य, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और दर्जनों की संख्या में वार्ड निवासी उपस्थित थे।

उगादी पर्व की संध्या पर बच्चों ने नाटक सीतम्मा और कई नृत्य प्रस्तुत किया

चक्रधरपुरः उगादी पर्व की संध्या पर, तेलुगु समाज के सांस्कृतिक संघ के प्रमुख एमएम कृष्णा ने गांधी पार्क, चक्रधरपुर में बच्चों के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया। जहां बच्चों ने सामाजिक नाटक सीतम्मा और कई नृत्य प्रस्तुत किए। नाटक की पटकथा रचना और निर्देशन' उन्होंने स्वयं किया है। नाटक का विषय यह है कि आजकल के बच्चे कैसे अपने वृद्ध माता-पिता की उपेक्षा करते हैं, जबकि माता-पिता अपना सब कुछ बच्चों के लिए समर्पित कर देते हैं। यह नाटक मात्र एक नाटक ही नहीं, बल्कि बच्चों के लिए एक सीख और सभी के लिए एक संदेश है कि हमें अपने वृद्ध माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, उनसे प्यार करना चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए।

अपनी उपलब्धि और सफलता के लिए जाने जाते हैं बिहार के पूर्व डीजीपी आलोक राज

संवाददाता

भारतीय पुलिस सेवा 1989 बैच के लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए प्रसिद्ध बिहार के पूर्व डीजीपी आलोक राज तेज तर्रार व अनुशासन प्रिय होने के साथ- साथ अपराध नियंत्रण, नक्सलियों के विरुद्ध सघन अभियान के लिए भी जाने जाते हैं। श्री राज अपने बेहतर और उत्कृष्ट कार्यों के साथ -साथ भक्ति गीत,भजन के साथ साथ,फिल्म जगत के गायकों के गानों को हूबहू उनकी आवाज में गाकर सबको आश्चर्य चकित कर देते हैं। उनके गानों की विशेषता है कि उन्होंने अपने बेहतर स्वर से हर गीत को बेहतर और उत्कृष्ट तरीके से गाने में सफल रहें हैं। साथ ही साथ मां सरस्वती की कृपा भी इन पर हमेशा रही है उनके स्वर और अलौकिक गानों से श्रोता झूम उठते हैं । भक्ति गीत हो या फिर फिल्म संगीत सब गानों में उनपर मां सरस्वती की कृपा और वरदान है। जिससे सुनने वाले मंत्र मुक्त और भाव विभोर हो जाते हैं। भारतीय पुलिस सेवा 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी अविभाजित बिहार के समय कई जिलों के लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं । इसके अलावा डीजीपी के साथ-साथ सीआरपीएफ के भी वरीय अधिकारी रह चुके हैं उनके भक्ति गीत मानो ईश्वर वंदना में लोगों को खो जाने के लिए वातावरण बनाते हैं । आप भी बीएम न्यूज के साथ श्री राज के भक्ति गीत का समागम देखें और भाव विभोर हो जाएं

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा से उर्दू भाषा को हटाए जाने का कड़ा विरोध

संवाददाता

रांचीः आजसू छात्र संघ, रांची द्वारा झारखंड सरकार की नई अधिसूचना (2026) का कड़ा विरोध किया जाता है, जिसमें जिला स्तर पर क्षेत्रीय भाषाओं की सूची से उर्दू भाषा को हटा दिया गया है। यह निर्णय न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि उर्दू भाषी अभ्यर्थियों के साथ सीधा अन्याय और भेदभाव भी है।

वर्ष 2022 की अधिसूचना में उर्दू को लगभग सभी जिलों में स्थान दिया गया था, जिससे हजारों अभ्यर्थियों को समान अवसर मिला। लेकिन 2026 की अधिसूचना में उर्दू को हटाना यह स्पष्ट करता है कि सरकार एक वर्ग विशेष को नजरअंदाज कर रही है।

आजसू छात्र संघ के जमाल गद्दी ने कहा कि उर्दू झारखंड की महत्वपूर्ण और मान्यता प्राप्त भाषा है। इसे परीक्षा से बाहर करना संविधान की भावना और समान अवसर के अधिकार के खिलाफ है।

आजसू छात्र संघ की प्रमुख मांगें

1। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 में उर्दू भाषा को तुरंत पुनः शामिल किया जाए।

2। सभी जिलों में पहले की तरह उर्दू को विकल्प के रूप में रखा जाए।

3। इस निर्णय की तत्काल समीक्षा कर संशोधित अधिसूचना जारी की जाए।

आजसू छात्र संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार इस निर्णय को जल्द वापस नहीं लेती है, तो संगठन राज्यभर में छात्रों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन एवं आंदोलन करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

अंत में, आजसू छात्र संघ सरकार से अपील करता है कि सभी भाषाओं के साथ समान व्यवहार करते हुए उर्दू को पुनः शामिल कर न्याय सुनिश्चित किया जाए।

हंटरगंज में रामनवमी

विजयदशमी पर भगवा झंडों-आकर्षक झांकियों के साथ निकला भव्य जुलूस

श्रीराम के जयकारे से गुंजायमान हुआ क्षेत्र,पुलिस-प्रशासन मुस्तैद

चतराः हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रतापपुर मोड़ से आयोजित झंडा एवं भव्य झांकी प्रदर्शन कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्ण वातावरण में रविवार अहले सुबह 4 बजे संपन्न हुआ। रामनवमी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा इलाका भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिप अध्यक्ष ममता कुमारी उपस्थित रही।उनके साथ थाना प्रभारी प्रभात कुमार, चिकित्सा प्रभारी डॉ वेद प्रकाश, अंचलाधिकारी रितिक कुमार, भाजपा नेता युगल सिंह, जिप प्रतिनिधि बेचन पासवान, राजद प्रखंड अध्यक्ष अशोक यादव, देवलाल यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन कुमार, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण चौरसिया, विधायक प्रतिनिधि रौशन सिंह, समिति अध्यक्ष गुंजीत सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतापपुर मोड़ में अतिथियों को अंग वस्त्र और तलवार भेंट कर किया गया।सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजकों को बधाई दी। इस दौरान विभिन्न अखाड़ों एवं समितियों द्वारा एक से बढ़कर एक आकर्षक एवं मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं। झांकियों में धार्मिक आस्था, पौराणिक प्रसंगों एवं सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक देखने को मिली, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देर रात तक लोग झांकियों का आनंद लेते रहे।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार, सब इंस्पेक्टर नितेश प्रसाद, पुरषोत्तम अग्निहोत्री, दिलीप कुमार सहित पूरे प्रशासनिक टीम पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे भारी भीड़ के बावजूद कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सका। इस भव्य आयोजन ने क्षेत्र में आपसी भाईचारा, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक एकता का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम की सफलता को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह और प्रसन्नता देखी गई।

सदर अस्पताल चतरा में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

चतराः सोमवार को सदर अस्पताल चतरा में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया।इस महत्वपूर्ण अभियान का उद्घाटन सिविल सर्जन सत्येंद्र कुमार सिन्हा चतरा द्वारा सदर अस्पताल परिसर में किया गया।इस अवसर पर सिविल सर्जन ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण अभियान का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित करना है। यह टीका 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए अत्यंत प्रभावी एवं सुरक्षित है। उन्होंने अभिभावकों एवं समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें एवं अपनी बेटियों का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित कराएं।
कार्यक्रम में उपाधीक्षक, डॉ. पंकज, डीपीएम लुईस बरला तथा डॉ. आशुतोष कुमार, रवि शंकर सौरव, रवि रंजन, मो फजलु, दिलेर खान,
सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता को दोहराया।इस अभियान के तहत जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों एवं विद्यालयों में विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें आशा, एएनएम एवं सहिया के माध्यम से लक्षित लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित की जाएगी।
जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि चतरा जिला की प्रत्येक पात्र किशोरी को इस जीवनरक्षक टीके का लाभ मिल सके।

रामनवमी पर जोरी में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

जयश्री राम के उद्घोष से राममय हुआ इलाका

संवाददाता

चतराः जिले हंटरगंज प्रखंड के वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के जोरी में श्री रामनवमी के विजयादशमी पर भव्य शोभा यात्रा में आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। प्रसिद्ध कसना डीजे के धुन पर युवा रातभर थिरकते नजर आए।इस अवसर पर पूरे इलाके में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का अभूतपूर्व संगम देखा गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस शोभा यात्रा में सम्मिलित हुए। पूरे जोरी को राममय बना दिया।शोभा यात्रा जोरी बस स्टैंड से शुरू होकर चतरा डोभी मुख्य पथ के प्रमुख मार्ग काली मंदिर, मेन बाजार, प्रतापपुर बस स्टैंड, जोरी थाना होते हुए बानसिंह मैदान पहुंचा। यहां शोभा यात्रा सह जुलूस का समापन हुआ।शोभा यात्रा के दौरान जय श्री राम के नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हुआ।इस भव्य शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण विभिन्न मनमोहक झांकियां रही। पारंपरिक छऊ नृत्य विशेष रूप से लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। इसके साथ ही ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों और डीजे पर धार्मिक धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आये। मौके पर डीएसपी अमिता लकड़ा, जिप अध्यक्ष ममता कुमारी, जोरी मंडल अध्यक्ष गायत्री देवी, जोरी पंचायत मुखिया रामरतन कुमार सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। समिति के सदस्यों ने अतिथियों को अंग वस्त्र और तलवार देकर सम्मानित किया। समापन के दौरान डीएसपी अमिता लकड़ा ने आरएनएस क्लब मास्टर मोहल्ला, विद्यार्थी संघ पूजा समिति बीच बाजार, वीर हिंदू क्लब पीपल पात्ती मोहल्ला, शेषनाग क्लब बानसिंह और कसाना डीजे को कप देकर सम्मानित किया।

झामुमो ने चाईबासा नगर निकाय चुनाव में जीते अध्यक्षों का किया अभिनंदन

संवाददाता

- शहरी मतदाताओं के दिल में झामुमो ने अपनी जगह बनाई है : सन्नी उरांव
- नप अध्यक्ष नितिन प्रकाश और सन्नी उरांव को झामुमो जिला कार्य समिति में जगह मिली

चाईबासा/चक्रधरपुरः झामुमो जिला समिति ने रविवार को चाईबासा और चक्रधरपुर नगर निकाय चुनाव में निर्वाचित झामुमो समर्थित अध्यक्षों और पार्षदों के लिए अभिनंदन समारोह आयोजित किया। इस दौरान चाईबासा नगर परिषद अध्यक्ष नितिन प्रकाश और चक्रधरपुर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव को सम्मानित किया गया। जिला अध्यक्ष सोनाराम देवगम ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झामुमो अब शहरी मतदाताओं के दिलों में जगह बनाने में सफल रहा है। उन्होंने इस जीत के लिए मंत्री दीपक बिरुवा, सांसद जोबा माझी और स्थानीय विधायकों के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन ने कहा कि दोनों नगरों का विकास अब तेज गति से होगा क्योंकि राज्य सरकार और पार्टी पूरी तरह साथ है।चक्रधरपुर अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि जनता ने मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर विश्वास जताया है, जिससे झामुमो का ग्राफ बढ़ा है। वहीं, चाईबासा अध्यक्ष नितिन प्रकाश ने स्पष्ट किया कि शहर में साफ-सफाई, बिजली पानी और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का निदान उनकी पहली - प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने चाईबासा और चक्रधरपुर के विकास के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। बैठक में नगर निकाय चुनाव के साथ-साथ आगामी पंचायत चुनावों की रणनीति पर भी चर्चा हुई। अंत में पार्टी के दिवंगत कार्यकताओं की याद में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर जिला सचिव राहुल आदित्य, बुधराम लागुरी, भुवनेश्वर महतो, मोनिका बोयपाई, अभिषेक सिंकू सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता और नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, रोड जाम

दुमकाः नगर थाना क्षेत्र के वीर कुंवर सिंह चौक पर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। आक्रोशित लोगों ने दुर्गा स्थान चौक के समीप दुमका-पाकुड़ मार्ग को काफी देर तक जाम कर दिया।

दुमका नगर थाना क्षेत्र के वीर कुंवर सिंह चौक के पास बांस लदे एक वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस के द्वारा उसे फूलों झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का नाम राहुल दास बताया जा रहा है, जो ऑनलाइन सामान पहुंचाने वाली कंपनी में कूरियर ब्वाय का काम करता था। शहर के गांधी नगर मोहल्ले के रहने वाले राहुल की हाल ही में शादी हुई थी और पत्नी गर्भवती है।

मौत की सूचना जैसे ही परिजनों को हुई, वे फौरन अस्पताल पहुंचे वहां उन्हें पता चला कि पुलिस ने जब राहुल को अस्पताल पहुंचाया था उस समय वह जीवित था मगर बाद में उसकी मृत्यु हो गई। परिजनों का कहना है कि पहली लापरवाही पुलिस की है जिन्होंने राहुल को अस्पताल तो लाया पर बिना इलाज किए हुए वहां से निकल गए और दूसरी लापरवाही अस्पताल की है जिन्होंने इलाज में गंभीरता नहीं दिखाई, जिसका परिणाम हुआ कि राहुल की मौत हो गई।

परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दुर्गा स्थान चौक के समीप दुमका-पाकुड़ मार्ग को काफी देर तक जाम कर दिया। उन्होंने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों ने इस मामले में लापरवाही बरतने वाले लोगों पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की। पहले पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की पर वे नहीं माने। बाद में नगर परिषद अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया और अंचलाधिकारी अमर कुमार मौके पर पहुंचे और उन्होंने समझा बुझाकर लोगों को शांत किया।